तापमान
अधिकतम 16.2 डिग्री
न्यूनतम 1.8 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 14 जनवरी 2024

10 उफ सर्दीः तापमान @ 5.2, इस सप्ताह ...

11 शहर में पांच जगह बनाए गए शौचालयों पर खर्च ...

Minati परिवार की तरफ से आप सभी को **मकर संक्रान्ति** की ढेर सारी शुभकामनाएं

वर्चुअल रियलिटी अब होगी जिंदगी का अहम हिस्सा

KAPIL SIWACH
M.D.

नई दिल्ली : वर्चुअल रियलिटी (वीआर) अब केवल एक ट्रेंडी शब्द नहीं रह गया है; यह एक गेम-चेंजिंग इनोवेशन है जिसने दुनिया भर में धूम मचा दी है। वीआर तकनीक हाल के वर्षों में नाटकीय रूप से उन्नत हुई है, जिससे तकनीकी नवाचार के परिणामस्वरूप डिजिटल सामग्री के साथ जुड़ने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव आया है। इसके लॉन्च के अवसर पर दिल्ली में मिनाटीवर्स के सीटियो गौरव शर्मा ने बताया कि आने वाला समय वर्चुअल रियलिटी का है। अगले दो साल में हम मोबाईल और टेलीविजन पर पकड़ बना लेंगे। उन्होनें कहा कि एक ऐसे आयाम में प्रवेश करने की कल्पना करें जहां आप दुनिया के किसी भी हिस्से में टेलीपोर्ट कर सकते हैं और अपने कमरे के आराम में वैकल्पिक आयाम में वस्तुओं का पता लगा सकते हैं और उनके साथ बातचीत कर सकते हैं। क्या यह आकर्षक नहीं लगता? अच्छी खबर, अब आप मिनाती के साथ आभासी वास्तविकता अनुभव की सच्ची अविश्वसनीयता देख सकते हैं! उद्योग में क्रांति लाने के उद्देश्य से मेटावर्स तकनीक को फिर से परिभाषित करने के मिशन के साथ, मिनाटी नवीनतम आभासी वास्तविकता उत्पादों को बाजार में पेश करने के लिए रोमांचित है, जिससे ग्राहकों को मल्टीवर्स के एक नए दायरे का अनुभव मिलेगा। एक ऐसी दुनिया में डूबने के लिए तैयार हो जाइए जहां जैसे ही आप अपनी रचनात्मकता को उजागर करते हैं, आपके सबसे रचनात्मक विचार ज्वलंत, सुंदर वास्तविकता बन जाते हैं।

Step into Minativerse

Your Digital Playground is here

From the Heart of India To the Edges of Digital Reality

Land & Shop Ownership
Acquire virtual property.
set up your digital storefront,
andtap into a booming
virtual economy

Vibrant Interactions
Join a global community
where interactions go
beyond borders, in a realm
built for the future

Powered BY Culling-Edge Tech
Searnless, innersive,
and intuitive
dive into the next-gen
virtual experience

Minativerse - Where India's Heart Meets the Digital Horizon!
Step Into Infinite Possibilities with Minati

मेटावर्सः एक नया आधुनिक अनुभव

मेटावर्स, एक नई दुनिया का आधार, जो आपको एक नई दृष्टि कोण से जोड़ता है और आपको एक अद्वितीय रूप से साझा करने का अवसर प्रदान करता है। यहां, हरक्षण एक नई कहानी है, और आप खुद को एक अद्वितीय आवास में पाएंगे जहां आपकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इस मेटावर्स में, आप अपने दोस्तों और परिवार से ऑनलाइन मिल सकतेहैं और उनके साथ एक नई दुनिया में साझा कर सकते हैं। एक नए रूप में वाणिज्यिक गतिविधियों का सामरिक अनुभव करें, या एक सांगीत कार्यक्रम में अपनी पसंदीदा संगीतकारों केसाथ जुड़ें झ मेटावर्स हर रूप में एक सबसे अद्वितीय और उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करता है। इस नई दुनिया में, आप अपने व्यक्तिगत अवतार को विकसित कर सकते हैं, अपने विचारों और विचारों को साझा कर सकते हैं, और एक नए सामाजिक परिवर्तन का हिस्सा बन सकते हैं। यह न केवल एक खेल है, बल्कि यह एक नई जीवनशैली है जो आपको वास्तविक और आधुनिक तकनीकी उन्नति के साथ जोड़ती है। मेटावर्स में अपने व्यक्तिगत अवतार को विकसित करने का अनुभव है जैसा कि कभी नहीं हुआ है। आप अपने अवतार को विभिन्न स्थानों पर ले जा सकते हैं, नए दोस्तों के साथ मिल सकते हैं, और अपने सपनों को पूरा करने के लिए नए रास्तों का पालन कर सकते हैं।

यह मेटावर्स न केवल एक व्यापक ऑनलाइन समुदाय है, बल्कि यह एक नई आर्थिक यात्रा का भी हिस्सा है। व्यापारी और उत्पादक इस नए संभावनाओं के साथ जुड़कर नए उच्चाधिकारी तक पहुंच सकते हैं और नए व्यापार और निवेश के लिए साझेदारी का मौका पा सकते हैं। मेटावर्स झ एक नया अनुभव, एक नई दुनिया। इसमें शामिल हों और एक अद्वितीय आधुनिक अनुभव का लाभ उठाएं। आपका आगंतुकता स्वागत है!

मिनातीः मेटावर्स प्रौद्योगिकी में नए अवसरों की दिशा

परिचयः मिनाती, एक नई और उत्कृष्ट प्रौद्योगिकी का परिचय करने वाली परियोजना है जो मेटावर्स तकनीक के क्षेत्र में अपनी मार्गदर्शिता के लिए उभर रही है। यह परियोजना हमें नई दिशा में ले जा रही है, जहां हम एक नए और रोचक डिजिटल विश्व की ओर कदम बढ़ाएंगे।

हमारा लक्ष्यः मिनाती का मुख्य लक्ष्य है मेटावर्स प्रौद्योगिकी के माध्यम से लोगों को एक नए और अनूठे अनुभव में ले जाना है। हम इस तकनीक के माध्यम से लोगों को वास्तविकता से अलग और नए विरासत में जोड़ने का अवसर प्रदान करना चाहते हैं।

कामकाजः

मिनाती ने अपने विशेषज्ञता के साथ मेटावर्स प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने का आलंब लिया है। हम नवीनतम और उन्नत तकनीकी उपायों का अनुसरण करते हैं ताकि हम आपको सर्वोत्तम और सुरक्षित अनुभव प्रदान कर सकें।

मिनाती की विशेषताएंः

1. अत्युत्तम सुरक्षाः हम आपकी गोपनीयता को हमारी प्राथमिकता मानतेहैं और एक सुरक्षित और विश्वसनीय माहौल में आपको ले जाने का आश्वासन देते हैं।

2. तकनीकी समर्थनः हम नवीनतम तकनीकी साधनों का उपयोग करतेहैं ताकि हम हमेशा अपने उपयोग कताओं को उन्नत और सुधारित सेवाएं प्रदान कर सकें।

3.उपयोग कर्ता-सानुकूल संवादः हम हमेशा अपने उपयोगकताओं के सुझाव और प्रतिक्रियाओं का समर्थन करते हैं ताकि हम उनकी आवश्यकताओं को सही से समझ सकें और उच्चतम स्तर पर पूर्ण कर सकें।

समापनः

मिनाती एक नई आधुनिक दिशा में आपको ले जाने का प्रयास कर रही है, जहां मेटावर्स प्रौद्योगिकी नए और रोचक अनुभवों की ओर एक कदम बढ़ाएगी। हम एक सामूहिक, सुरक्षित और अनुकूलित वातावरण में काम कर रहे हैं, जिससे हम आपको एक नया और बेहतर दिग्दर्शन प्रदान कर सकें। आइए, हमारे साथ मिलकर मेटावर्स की दुनिया का सफर तय करें

मिनाती मेटावर्स परियोजना में प्रारंभिक निवेशकों के लाभ

मिनाती मेटावर्स परियोजना, जो मेटावर्स प्रौद्योगिकी में नई दिशा स्थापित करने का प्रयास कर रही है, नहीं सिर्फ आपको नए अनुभवों में ले जाने का वादा कर रही है, बल्कि प्रारंभिक निवेशकों के लिए भी एक उत्कृष्ट निवेश का अवसर प्रदान करती है। यहां कुछ क्षेत्र हैं जो मिनाती मेटावर्स परियोजना में प्रारंभिक निवेशकों को प्राप्त होने वाले लाभों का विवेचन करेंगेः

1. मुनाफा का संबंधः

मिनाती मेटावर्स परियोजना के प्रारंभिक निवेशकों को परियोजना के सफलता के मुताबिक मुनाफा प्राप्त होगा। जैसे ही परियोजना अपने उद्दीपन को बढ़ाएगी, निवेश कभी इसके साथ मिलकर मुनाफा हासिल करेंगे।

2. आसानी से व्यापारिक साझेदारीः

प्रारंभिक निवेशकों को मिनाती मेटावर्स परियोजना में व्यापारिक साझेदारी का अवसर मिलेगा। इससे वे परियोजना के सफल होने में अपना योगदान दे सकते हैं और उसके साथ ही उन्हें अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है।

3. मेटावर्स उद्योग में पहली पंक्तिः

मिनाती मेटावर्स परियोजना पहली है जो मेटावर्स तकनीक का उपयोग करके विज्ञापन क्षेत्र में अपना नाम बना रही है। प्रारंभिक निवेशकों को यह अवसर मिल रहा है कि वे इस नए और उत्कृष्ट उद्योग के पहले उत्कृष्ट निवेशक बन सकते हैं

4. उच्च रिटर्न ऑनइन्वेस्टमेंट (ROI):

मिनाती मेटावर्स परियोजना में किए गए प्रारंभिक निवेश का उच्च रिटर्न की संभावना है, क्योंकि मेटावर्स तकनीक ने विज्ञापन क्षेत्र में नई चुनौती पैदा की है और इस परियोजना की सफलता से निवेशक भी फायदा उठा सकते हैं।

मिनाटीवर्स परियोजना की लाइव प्रदर्शन के लिए और और विवरण के लिए कृपया www.minati.io पर जाएं

शहर में आज

- दिल्ली रोड पर बीपी जैन स्किल डेवलपमेंट सेंटर में श्री रामलीला उत्सव कमेटी द्वारा पत्रकार वार्ता दोपहर 12.30 बजे
- वार्ड-21 के विजय नगर में राजीव दीक्षित चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयुष्मान व चिरायू कार्ड बनाए जाएंगे सुबह 10 बजे से
- आईएमए ऑडिटोरियम में सप्तक कल्चर सोसायटी द्वारा मकर संक्रांति पर कार्यक्रम शाम 5 बजे
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 11.30 बजे से
- आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष बिजेंद्र हुड्डा पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता करेंगे दोपहर 12.30 बजे

उफ सर्दी: तापमान @ 5.2, इस सप्ताह कंपकंपाती ठंड से राहत के आसार नहीं

दो दिन और छाए रहेंगे बादल, बूंदाबांदी की संभावना

- डॉक्टरों की सलाह बच्चों और बुजुर्गों को बाहर निकलने में सावधानी बरतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इन दिनों सभी कड़ाके की ठंड की मार झेल रहे हैं। शीतलहर और कोहरे के कारण से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। लगातार दूसरे दिन सर्दी रोहतक में सबसे ठंडा दिन रहा। रोहतक का तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह कंपकंपा देने वाली सर्दी से राहत के आसार नहीं हैं।

सप्ताह के अंत में कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। इससे पहले अलग-अलग दिन बादल छाए रहेंगे और कोहरा पड़ेगा। रविवार को मौसम थोड़ा साफ रहेगा, लेकिन सोमवार को फिर हल्की धूप के साथ बादल छाए रहेंगे। हाल में बूंदाबांदी के आसार नहीं हैं। अलाव की मदद से लोग सर्दी से थोड़ी राहत पाने की कोशिश में लगे हैं। बढ़ती ठंड की वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए फिलहाल इस भयंकर सर्दी से बचाव रखें। विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों को बाहर निकलने में सावधानी बरतें।

रोहतक। शरीर को गर्म रखने के लिए अलाव का सहारा लेते लोग। फोटो : हरिभूमि

विजिबिलिटी हुई कम

शनिवार को कोहरा छाया रहा। शहरी क्षेत्र में इसका असर कुछ कम था, लेकिन आउटर एरिया में सड़कों पर विजिबिलिटी 20 मीटर तक रह गई थी। कोहरे का आलम यह है कि रेल यातायात इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। हर ट्रेन अपने निर्धारित 30 मिनट से एक घंटे की देरी से पहुंच रही हैं। लोग घरों बाहर नहीं निकल रहे।

सावधानी बरतें

निमोनिया के मरीज बढ़े हैं। बच्चों और बुजुर्गों को सर्दी परेशान कर रही है। सांस के रोगी भी ध्यान रखें, बुजर्ग सैर पर न जाएं। माता-पिता अपने बच्चों को गरम कपड़े पहनाकर रखें। कमरे में हीटर का प्रयोग करें। जब तक सर्दी कम नहीं होती विशेष सावधानी बरतें। **-डॉ. रमेश वर्मा, प्रो. कम्यूनिटी मेडिसन**, पीजीआईएमएस।

बुखार और सांस के रोगी बढ़े

ठंड के कारण निमोनिया, बुखार और सांस के मरीज बढ़ रहे हैं। सरकारी अस्पतालों की बात करें तो अन्य दिनों की अपेक्षा 20-25 प्रतिशत मरीज बढ़े हैं। इनमें बच्चों को निमोनिया घेर रहा है और दमे के रोगियों को भी भारी परेशानी हो रही है। चिकित्सकों ने चेतावनी दी है कि बच्चों को बाहर न खेलने दें और सांस के रोगी सैर आदि न करें। घरों में हीटर का प्रयोग करें।

ऐसा रहेगा मौसम

दिन	मौसम
रविवार	कोहरा-बादल छाए रहेंगे
सोमवार	हल्की धूप निकलेगी लेकिन बादल छाए रहेंगे
मंगलवार	हल्की धूप के साथ बादल
बुधवार	मौसम साफ रहेगा, धूप निकलेगी
बृहस्पतिवार	मौसम साफ, धूप निकलेगी
शुक्रवार	बादल छाए रहेंगे कोहरा भी पड़ेगा
शनिवार	मौसम साफ रहेगा

जाट कॉलेज ने जीती हैंडबॉल चैंपियनशिप

रोहतक। अखिल भारतीय जाट सूरमा स्मारक महाविद्यालय के खेल मैदान में शनिवार को तीन दिवसीय इंटर कॉलेज पुरुष व महिला वर्ग की हैंडबॉल चैंपियनशिप का शानदार समापन हुआ। इस चैंपियनशिप के समापन पर कॉलेज प्राचार्या डॉ. शबनम राठी ने खिलाडियों को प्रोत्साहित किया और उन्हें भविष्य में खेल के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने जाट कॉलेज की टीम को विजेता बनने पर बधाई दी। डॉ. सुखबीर सिंह सिंधु ने बताया कि चैंपियनशिप के दौरान प्रदेश भर से कई कॉलेजों की टीमों ने भाग लिया।

प्रभु राम के स्वागत में घरों में पांच दीपक जलाने का आहवान

रोहतक। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए चलाए जा रहे अक्षत वितरण कार्य को सफल बनाने के लिए रामभक्तों व विश्व हिंदू परिषद द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को गांव भगवतीपुर में निमंत्रण दिया गया। भगवतीपुर में घर-घर पहुंच कर अक्षत वितरण किया गया। प्रभु श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या से लाखनमाजरा खंड पहुंचे अक्षतों के वितरण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवी संगठन द्वारा गांव स्तर पर पांच-पांच सदस्य टीम का गठन किया गया है। टीम में शामिल पुरुष व महिला श्रद्धालुओं द्वारा जोरों पर अक्षत वितरण का कार्य किया जा रहा है। खंड पालक सुरेन्द्र परमार, वरिष्ठ स्वयं सेवक अमरपाल, ईकाई प्रमुख अमित चौहान सहित परिषद पदाधिकारियों ने अक्षत वितरण किए।

केएम कॉलेज ने जीता महिला रग्बी का खिताब

रोहतक। एमडीयू खेल परिसर में आयोजित दो दिवसीय इंटर कॉलेज महिला रग्बी प्रतियोगिता का खिताब केएम कॉलेज खरखोदा ने जीत लिया है। वहीं दूसरे स्थान पर टीआर गर्ल्स कॉलेज सोनीपत की टीम और एमकेजेके कालेज रोहतक की टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया।एमडीयू खेल निदेशक प्रोफेसर आरपी गर्ग ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉक्टर दर्शन, डॉक्टर मुकेश गोयत, डॉक्टर सुमन मान, डॉक्टर सुनीता, मुकेश गोयल गेम इंचार्ज आदि उपस्थित रहे।

रोहतक। आयोजित शिविर में रक्तदाताओं को बैज लगाते हुए वैश्य शिक्षण संस्थान के प्रधान नवीन जैन

शिविर में 84 यूनिट रक्त एकत्रित

रोहतक। मां दानों देवी धर्मार्थ ट्रस्ट सांघी द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि वैश्य शिक्षण संस्थान के प्रधान नवीन जैन रहे। शिविर में 84 लोगों ने रक्तदान किया। नवीन जैन ने सभी रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि नियमित रक्तदान बहुत जरूरी है। इससे 3 मरीजों की जान बचाई जा सकती है। ट्रस्ट के संस्थापक तस्वीर सिंह हुड्डा ने बताया कि रोहित ने 5वीं बार, सत्यवान ने दूसरी, शिव ने 9वीं, वीर सिंह ने 5वीं बार रक्तदान किया। इस अवसर पर नेहा दहिया, हिमांशु, आकाश, सुमित, राहुल, वैभव, नवीन, रैड क्रॉस सोसाइटी के लेखा अधिकारी राजकुमार मोर आदि मौजूद रहे।

राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का हुआ समापन

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के समापन समारोह की शुरुआत गायत्री मंत्र के साथ हुई। कार्यक्रम प्रथम सत्र के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सायंकालीन सत्र के दौरान कॉलेज कैंपस की सफाई की गई। इस दौरान प्राचार्या सविता परुथी, डॉ. मीनू नैन, डॉ. सविता ठाकरान द्वारा सभी छात्राओं को सर्टिफिकेट दिए गए। संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान एनएसएस की चारों यूनिट के प्रभारी डॉ. रीना, डॉ. रिदम, डॉ. रीटा खन्ना व नीरज कादियान मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मदवि: 6 छात्रों का चयन मैनेजमेंट ट्रेनी के पद पर

रोहतक। महर्षि दयानंद के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें छह विद्यार्थियों का चयन मैनेजमेंट ट्रेनी के पद पर हुआ है। यूआईईटी के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी अरूण हुड्डा ने यह जानकारी दी है।

कुलताना में रुपयों के लेनदेन को लेकर झगड़ा

सांपला। कुलताना गांव में रुपये के लेनदेन को लेकर युवाओं में झगड़ा हो गया। पुलिस ने संदीप की शिकायत पर करीब आधा दर्जन युवक खिलाफ मामला दर्ज किया है। संदीप का कहना है कि उसने मकान के बाहर ऑफिस बनाया हुआ है। गांव के तीन चार युवा आए। यशवीर और मनीष के बीच पैसों का लेनदेन है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चोरी की वारदात में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने थाना शहर एरिया में हुई चोरी की वारदात में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी शहर विजेन्द्र सिंह ने बताया कि रुप नगर निवासी नवीन की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि नवीन ने घर में बिजली की दुकान कर रखी है। 22 नवंबर 2023 को नवीन का बेटा चिराग दुकान के अंदर बैठा हुआ था। तभी दो अज्ञात युवक आए व चिराग से सैल मांगे।

एमडीयू में मकर सक्रांति पर आज होगा यज्ञ

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय का चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनोमिक चेंज 15 जनवरी को मकर सक्रांति के अवसर पर हवन यज्ञ का आयोजन करेगा। चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट की निदेशिका प्रो. सोनिया मलिक ने बताया कि कुलपति प्रो. राजबीर सिंह कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। हवन चौ. मातूराम यज्ञशाला में सुबह 9 बजे शुरू होगा।

सफल उद्यमी बनने के मूलमंत्र दिए

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में स्वदेशी जागरण जंच के सहयोग से स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष में स्वयं उद्यमिता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के एलुमनी डॉ. नीरज रूहिल, चंद्रशेखर पाठक, ब्रहजीत देव व विश्वास ने शिरकत की। उन्होंने जीवन एवं अपने व्यवसाय ये जुड़े अनुभव सांझा करते हुए विद्यार्थियों को उद्यमिता की राह अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा सफल उद्यमी बनने का मूलमंत्र दिया।

सालासर जाते समय नारनौल के पास कोहरे के कारण हादसा

श्रद्धालुओं की गाड़ी डिवाइडर से टकराई, एक की मौत, चार घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नारनौल के पास कोहरे के कारण एक कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौत और चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को राहगीरों की मदद से अस्पताल में भर्ती करवाया गया। बता दें कि रोहतक से सालासर जा रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी कोहरे के कारण डिवाडर से टकरा गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस व एंबुलैंस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची व घायलों को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने एक को मृत घोषित कर दिया, बाकि घायलों की गंभीर स्थिति होने के चलते हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार श्रद्धालुओं की बलेनो गाड़ी बुचावास टोल से नारनौल की ओर करीब दो किलोमीटर दूर पहुंची तो घने कहरे के चलते गाड़ी डिवाइडर से टकरा ट्रक व डिवाइडर को बीच फंस गई। गाड़ी में पांच युवक सवार थे। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई और गंभीर रूप से घायलों को नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने 26 वर्षीय विवेक नेहरा निवासी सुंदरपुर रोहतक को मृत घोषित कर दिया। जबकि 21 वर्षीय उमेश, 19 वर्षीय सौरव, 21 वर्षीय प्रदीप और साहिल निवासी रोहतक को गंभीर हालत में पीजीआई रोहतक के लिए रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

श्री कृष्ण गोशाला को सांसद ने की 11 लाख अनुदान देने की घोषणा

महम। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा लोहड़ी के मौके पर मोखरा गांव की श्री कृष्ण गोशाला में पहुंचे। यहां पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। जांगड़ा ने गोशाला कार्यकारिणी के साथ गोशाला का दौरा किया। उसके बाद उन्होंने गोशाला के लिए 11 लाख रुपए की ग्रांट देने की घोषणा की। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा की आज प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल जैसे संत प्रवृति के व्यक्ति राज कर रहे हैं। वे सबको समान दृष्टि से देखते हैं। बिना किसी भेदभाव के समान विकास हो रहा है। इसलिये महम हलका भी विकास के मामले में किसी से पीछे नहीं है। सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा की पीएम की गारन्टी के साथ विकसित भारत संकल्प यात्रा अधिकारियों को साथ लेकर गांव गांव जा रही है।

कच्चा चमारिया रोड स्थित ट्रैवल्स ऑफिस में तीन युवकों ने तोड़फोड़ करके किया कैश चोरी

रोहतक। कच्चा चमारिया रोड स्थित ट्रेवल्स ऑफिस में पड़ोस के तीन लोगों ने तोड़फोड़ करके 3 लाख रुपये कैश व सीसीटीवी की डीवीआर चोरी करके फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। कच्चा चमारिया रोड निवासी अमित शेहरावत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका हरियाणा ट्यूरिज्म एंड ट्रेवल्स के नाम से ऑफिस किया हुआ है। उसके ऑफिस में उसकी व साथियों की गाड़ी खड़ी रहती है। रात को करीब 1 बजे हनुमान कॉलोनी निवासी खेतराम अपने दो साथियों के साथ उसके ऑफिस में आया। उसके ऑफिस में दो व्यक्ति सो रहे थे, तीनों आरोपियों ने उन दोनों को जान से मारने की धमकी दी। वहीं, दोनों व्यक्तियों में से एक ने अमित के पास फोन किया और इसके बारे में बताया। अमित ने कहा कि तुम दूसरे ऑफिस में चले जाएं। जब वे 15 मिनट बाद दोबारा से आए, तो वहां काफी तोड़फोड़ की हुई थी। ऑफिस में लगी एलईडी टूटी हुई थी। वहीं 4-5 गाड़ियों के शीशे भी टूटे हुए थे। वहां एक गाड़ी में रखे करीब 3 लाख रुपये और वहां लगे सीसीटीवी की डीवीआर भी चोरी कर ले गए। जिसकी शिकायत पुलिस को दे दी। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच आरंभ कर दी।

सौरव व पुरुषोत्तम पंचायत राज एंड डेवलपमेंट में सब डिविजनल इंजीनियर चयनित

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी के दो विद्यार्थियों सौरव व पुरूषोत्तम का चयन पंचायत राज एंड डेवलपमेंट में सब डिविजनल इंजीनियर के तौर पर हुआ है। यूआईईटी निदेशक प्रो. युद्धवीर ने एसडीओ चयनित होने पर सौरव व पुरूषोत्तम को बधाई दी। प्रो. युद्धवीर ने कहा कि यूआईईटी के विद्यार्थियों की उपलब्धियों से संस्थान गौरवान्वित है। प्राध्यापक डॉ. अमित कुमर, डॉ. ईशा, डॉ. दीपक वर्मा व डॉ. विनित धवन ने सौरव और पुरुषोत्तम के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राष्ट्रीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

चौबीसी युवा वेट लिफ्टिंग क्लब द्वारा भारोत्तोलन की राष्ट्रीय स्पर्धा में पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों के लिए एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। विजेता खिलाड़ियों को खुली जीप में ढोल नगाड़ों के साथ दिल्ली हिसार हाइवे बाइपास से स्टेडियम तक लाया गया। भाजपा कार्यालय के सामने बीजेपी नेत्री राधा अहलावत ने विजेता खिलाड़ियों का नोटों की माला पहनाकर स्वागत किया।

महम। भारोत्तोलन में पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का महम पहुंचने पर नोटों की माला पहनाकर स्वागत करती भाजपा नेत्री राधा अहलावत।

दीपक लाठर ने जीता पदक

वेट लिफ्टिंग कोच जोगिंद्र गिल उर्फ लीला ने बताया कि 28 दिसंबर से 7 जनवरी तक अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में वेट लिफ्टिंग की सीनियर, जूनियर व यूथ नेशनल चैंपियनशिप आयोजित की गई। वेट लिफ्टर दीपक लाठर, प्रिंस मलिक, अजीत व नवीन दलाल ने सीनियर नेशनल में ब्रोंज मेडल जीता है। जबकि बंसी सिहाग ने जूनियर नेशनल में सिल्वर पदक हासिल किया है। रोहित तहलान ने यूथ नेशनल गेम्स में सिल्वर मेडल और तमन्ना ने सीनियर नेशनल इंटर स्टेट में ब्रोंज मेडल प्राप्त किया है। भारोत्तोलन के सीनियर कोच रहे अजीत अहलावत ने भी विजेता खिलाड़ियों को पदक जीतने पर बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बाइक चोरी की वारदात में आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। थाना प्रभारी लाखनमाजरा ने बताया कि गांव गिरावड़ पाना मुंडान निवासी दीपक की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके मामले की जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 11 जनवरी को दीपक ने अपनी मोटरसाइकिल को गली में घर के बाहर खड़ा किया हुआ था। कुछ समय बाद दीपक को अपनी मोटरसाइकिल नहीं मिली।

मामला दर्ज

जांच के दौरान 12 जनवरी को आरोपी अजयपाल उर्फ़ सोनू निवासी गिरावड़ को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने थाना शहर के एरिया में चोरी की वारदात को अंजाम दिया हुआ है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया।

एमडीयू के खिलाड़ियों ने जीते चार गोल्ड, नौ सिल्वर-तीन ब्रॉंज मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- ऑल इंडिया इटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो में दिखाई प्रतिभा

एमडीयू के खिलाड़ियों ने इंटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 4 गोल्ड, 9 सिल्वर और 3 ब्रोंज मेडल जीतकर दोनों वर्गों में रनर अप ट्राफी जीती। ऑल इंडिया इटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो महिला एवं पुरूष वर्ग प्रतियोगिता जगदीश प्रसाद झबरमल टीबरावाला यूनिवर्सिटी झुंझुनू में हुई। जिसमें एमडीयू की ताइक्वांडो टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और दोनों वर्गों में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

पुरुष वर्ग के क्योर्गी इवेंट के 54 किग्रा में अरमान यादव ने गोल्ड, साहिल ने 58 किग्रा में सिल्वर, राहुल ने 68 किग्रा में ब्रॉन्ज, दुष्यंत नांदल ने 87 किग्रा में गोल्ड, सक्षम ने 87 किग्रा से ज्यादा भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। वहीं पूम्से इवेंट में यश मलिंदा ने सिल्वर, अंजलि ने ब्रॉन्ज, सहनाज परवीन ने ब्रॉन्ज, देवदास राय ने ब्रॉन्ज, गीता यादव ने सिल्वर, रितु यादव ने सिल्वर, प्रिया यादव ने सिल्वर मेडल जीता। क्योर्गी इवेंट्स महिला वर्ग में सोनिया ने 46 किग्रा में सिल्वर, सोनम ने 57 किग्रा में गोल्ड, सानिया खान ने 62 किग्रा में सिल्वर, श्रुति चौधरी ने 67 किग्रा में सिल्वर, अनिता शर्मा ने 73 से ज्यादा किग्रा में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। टीम के इस शानदार प्रदर्शन पर कुलपति प्रो राजबीर सिंह, कुलसचिव प्रो गुलशन लाल तनेजा और खेल निदेशक प्रो आरपी गर्ग ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आशीर्वाद दिया। कोच अशोक कुमार ने बताया कि एमडीयू रोहतक ताइक्वांडो टीम ने लगातार 14 बार इस ट्रॉफी जीती है। टीम संचालक सतीश ढुल, कोच अशोक कुमार, जगपर्वेष, सीमा देशवाल के मार्गदर्शन में टीम वर्ल्ड यूनिवर्सिटी फेस्टिवल 2024 के सिलेक्शन ट्रॉयल में भाग लेंगे।

गांव नौनंद और शिमली पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा, ग्रामीणों ने स्वागत किया

योजनाओं के माध्यम से अंतिम व वंचित को बनाया जा रहा खुशहाल: बंसल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

केन्द्र व हरियाणा सरकार की योजना पात्र व्यक्तियों के घर द्वार पर पहुंचाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा शनिवार को गांव नौनंद व शिमली पहुंची। यहां पर भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल व ग्रामीणों ने यात्रा को स्वागत किया।

यात्रा के माध्यम से योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही बुढ़ापा पेंशन, बीपीएल व गुलाबी राशन कार्ड, परिवार पहचान पत्र में शुद्धिकरण, स्वास्थ्य जांच व आयुष्मान कार्ड लाभ सहित अन्य योजनाओं व सेवाओं का लाभ मौके पर ही दिया गया। बंसल ने लाभार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि समाज के अंतिम व वंचित व्यक्ति को खुशहाल बनाकर ही आत्मनिर्भर व विकसित भारत की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। भाजपा जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका ने कहा कार्यक्रम के दौरान किसानों को खेती में सहायक ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसे लेकर किसान उत्साहित हैं। भाजपा प्रदेश सचिव रेनु डाबला ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा केंद्र व प्रदेश की कल्याणकारी योजनाओं को हर दरवाजे तक पहुंचा रही है। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सूरजमल किलोई ने कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। जनसंवाद के दौरान अजय बंसल व अन्य नेताओं ने जनसंवाद कार्यक्रम में लगाई गई विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए आमजन को योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से टीबी, एनीमिया आदि की जांच की गई।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर सुमिता भाटिया जांगड़ा, जयसिंह लाकड़ा, सरपंच मनीष कुमार, सुनील उर्फ सीसा, ताराचंद, मास्टर हवा सिंह, रविंद्र, रामपाल, जयदेव, ओमपति, राजबीर जांगड़ा व राजकपूर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

लोगों के लिए लाभकारी साबित हो रही यात्रा: अहलावत

रोहतक। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की सदस्य राधा अहलावत ने कहा है कि जरूरतमंद एवं गरीब पात्र व्यक्ति तक केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा अहम साबित हो रही है। वे विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत गांव निंदाना मोहम्मदपुर व खेड़ी महम में आयोजित कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि यात्रा के तहत गांवों में हजारों लोगों ने योजनाओं का लाभ प्राप्त किया है या फिर योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन किया है। राधा अहलावत ने कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ भी दिलाई।

इस अवसर पर खंड विकास एंव पंचायत अधिकारी नरेंद्र धनखड़, सरपंच समुंद्र सिंह, विधानसभा विस्तारक विजय बेनिवाल, मंडल अध्यक्ष रोहताश, शक्ति केंद्र प्रमुख विजेंद्र सिंह, लक्ष्मी, महेश वर्मा, राजपाल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

खबर संक्षेप

राजकीय महाविद्याल में हुई स्लोगन राइटिंग

महम। राजकीय महाविद्यालय महम में राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता रेड रीबन क्लब यूनिट द्वारा आयोजित किया गया। स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में कॉलेज के कई विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की संयोजक रितु ने बताया की ये प्रतियोगिता राष्ट्रीय युवा सप्ताह के उपलक्ष्य में चल रही कर्मिक इवेंट्स के क्रम में आयोजित की गई।

एसजेके कॉलेज में मनाया गया लोहड़ी पर्व

रोहतक। सत जीन्दा कल्याणा महाविद्यालय कलानौर में लोहड़ी पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार दुआ ने सभी को पर्व की बधाई दी। डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि लोहड़ी का पर्व भगवान सूर्य और अग्नि देवता को समर्पित है। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक कमेटी की संयोजिका डॉ. शालिनी शर्मा, डॉ. मानसा राय व डॉ. उमेश कुमार के दिशा निर्देशन में हुआ।

हैंडबॉल में किशोरी कॉलेज रहा प्रथम

रोहतक। गवर्नमेंट कॉलेज महम को फाइनल मुकाबले में हराकर महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय की टीम ने हैंडबॉल चैंपियनशिप जीत ली है। शनिवार को टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। तीसरा स्थान टीकाराम कॉलेज ने हासिल किया। मुख्य अतिथि प्राचार्या रश्मि लोहचब ने सभी खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

युवाओं की अनदेखी कर रही सरकारः गुलशन

रोहतक। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और शोरी क्लॉथ मार्केट के प्रधान गुलशन इशपुनियानी ने बेरोजगारी, सरकारी भर्ती नहीं होने और पटवारियों के धरने को लेकर सरकार को घेरा है। गुलशन इशपुनियानी ने कहा कि पटवारियों व कानूगो का धरना 9 दिन से चल रहा है, हजारों रजिस्ट्री और तहसील का काम प्रभावित हो रहा है। आम लोग धक्के खा रहे हैं, लेकिन सरकार कोई सुनवाई नहीं कर रही। भाजपा जजपा सरकार को किसी कर्मचारी से कोई लेना देना नहीं। गुलशन इशपुनियानी ने बेरोजगारी पर भी चिंता जाहिर की है।

मेयर मनमोहन गोयल ने किया था उदघाटन

शहर में पांच जगह बनाए गए शौचालयों पर खर्च हुए 46 लाख

कई और जगह है शौचालयों की जरूरत पार्षदों की तरफ से भेजी गई हैं डिमांड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नगर निगम द्वारा शहर में पांच जगह बनाए गए शौचालयों पर करीब 46 लाख रुपये खर्च हुए हैं। इनका हाल ही में मेयर मनमोहन गोयल और सीनियर डिप्टी मेयर राजकमल सहगल द्वारा उदघाटन किया गया। इन शौचालयों को आमजन के लिए शुरू कर दिया गया है जबकि कई और जगह शौचालय बनाए जाने की जरूरत है। कई पार्षदों की तरफ से निगम को डिमांड भेजी गई हैं।

जानकारी के अनुसार, पार्षदों की डिमांड पर पांच जगह शौचालय तैयार करवाए गए हैं। शीला बाईपास, सेक्टर तीन, देवीलाल पार्क, लक्की पार्क और रुपया चौक पर निर्माण करवाया गया है। शीला बाईपास पर बनाए गए शौचालय पर निगम की तरफ से करीब 8.45 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

सेक्टर तीन मार्केट में बनाए गए शौचालय पर 9.86 लाख रुपये खर्च आया है। इसी तरह देवीलाल पार्क के पास बनाए गए शौचालय पर करीब 10.72 लाख खर्च आया है। जबकि लक्की पार्क में बनाए गए शौचालय पर निगम ने 8.45 लाख रुपये खर्च किया है। रुपया चौक पर बने शौचालय पर भी इतनी ही राशि खर्च हुई है।

सफाई कर्मी तैनात करने की मांग

नगर निगम द्वारा शौचालयों पर तो रुपये खर्च किए जा रहे हैं। लेकिन अधिकतर पर दिन में ही ताला लटक जाता है जबकि अधिकतर शाम को बंद हो जाते हैं। आमजन की तरफ से मांग है कि सभी शौचालयों पर सफाई कर्मचारी नियुक्त किए जाएं, और नियमित रूप से साफ सफाई होनी चाहिए।

शहर में बनाए पांच शौचालय

शहर में पांच जगह शौचालय बनाए गए हैं। इन पर करीब 46 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। इससे आमजन को सुविधाएं मिलेंगी। यहां काफी समय से सुविधाओं की जरूरत थी। इसके अलावा जहां-जहां शौचालयों की जरूरत है, वहां शौचालय बनवाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।
-मनमोहन गोयल, मेयर रोहतक

सीएसआर के तहत बना शौचालय

शहर के निजी अस्पताल द्वारा सीएसआर के तहत शौचालय का निर्माण करवाया जा रहा है। जो बस स्टैंड के पास बनाया जा रहा है। बस स्टैंड पर रोजाना हजारों की तादाद में यात्री आते हैं। उनकी जरूरत के मुताबिक निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। इससे पहले भी निगम को सीएसआर स्कीम के तहत पांच करोड़ के उपकरण, वाहन और अन्य सुविधाएं मिल चुकी हैं।

वैश्य कॉलेज में मनाई लोहड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन में प्राचार्या डॉ. तरूणा मल्होत्रा की अध्यक्षता में सांस्कृतिक कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. निधि व टीम सदस्य डॉ. अंजू सचदेवा, डॉ. राखी, डॉ. कुसुम की देखरेख में लोहड़ी पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. तरूणा मल्होत्रा ने अग्नि जलाकर उसमें रेवड़ी, मूंगफली डालकर किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने डांस, शायरी एवं गीतों के माध्यम से कार्यक्रम को रोमांचक बनाया। विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने अग्नि के चारों तरफ डांस करते हुए चक्कर लगाया एवं सुंदरी मुंद्री होए गीत गाया। इस अवसर पर डॉ. मधु साहनी, डॉ. ज्योति, प्रीति, डॉ. कमलेश, मीनू, डॉ. अंजू, डॉ. ज्योति, डॉ. सुदेश, डॉ. पूजा, इंदू, दिनेश, डॉ. सुनीता, डॉ. कुसुम, मनजीत, राहुल, पूजा, परीक्षा, सुनीता, सीमा, ललिता, सुमित, साहिल आदि रहे।

त्योहार भर देते हैं नई उमंग और खुशी : डॉ. मारकंडेय

रोहतक। हमारा देश त्योहारों का देश है और हमारे देश की खास बात यह है कि यहां के लोग सभी त्योहार मिलजुल कर मनाते हैं। हमारे देश के सभी त्योहार हम सभी में एक नई खुशी और उमंग भर देते हैं। ये बात रोटरी क्लब ऑफ रोहतक के प्रधान एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मारकंडेय आहूजा ने कही। रोटरी क्लब द्वारा गरीब परिवारों के साथ लोहड़ी त्यौहार मनाया गया। इस दौरान मूंगफली और रेवड़ी के पैकेट गरीब परिवारों में वितरित किए गए। क्लब प्रधान डॉ. मारकंडेय आहूजा ने कहा कि लोहड़ी का पर्व मनाने के पीछे बहुत सी एतिहासिक कथाएं प्रचलित है। लोहड़ी के दिन फसल काटी जाती है और नई फसल बोई जाती है। इसे किसानों का नया साल भी कहा जाता है।

ओशोधारा के लिए लो हरी है लोहड़ी का पर्व

रोहतक। समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया ने लोहड़ी के महापर्व पर सभी को मुबारकबाद दी है। उन्होंने कहा कि ओशोधारा के लिए लोहड़ी लो हरी है। 13 जनवरी 1997 को गुरु नानक देव की दिव्य सत्ता ने समर्थगुरु को ओंकार दीक्षा दी थी। इसलिए सहज योग के साधकों के लिए यह ओंकार दिवस भी है। इस अवसर पर मुरथल आश्रम में सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया गया। जिसमें सैंकड़ो साधक एकत्रित हुए।

हिंदू कॉलेज में मनाई लोहड़ी

रोहतक। श्री लालनाथ हिंदू महाविद्यालय की छात्र कल्याण समिति द्वारा लोहड़ी महोत्सव का आयोजन किया गया। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर लोहड़ी उत्सव का शुभारंभ किया गया। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। चक्षु (पंजाबी भांगड़ा), ज्योति (पंजाबी समूह गीत), विशाल एवं चिराग (पंजाबी गीत), हार्दिक (एकल नृत्य) द्वारा दी गई प्रस्तुति ने माहौल खुशनुमा बना दिया। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा ने सभी को लोहड़ी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पर्व का अपना एक इतिहास और संदेश है इसी तरह लोहड़ी का भी एक संदेश है बेटी की रक्षा एवं सम्मान।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा बोले, 90 में से एक सीट पर भी जेजेपी की जमानत नहीं बचेगी

- 15 से 'घर-घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस' अभियान शुरू होगा
- सांसद ने गढ़ी-सांपला-किलोई हलके की बूथ कमेटियों की बैठक ली, जीत का मंत्र दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सेक्टर-3 के सामुदायिक केंद्र में गढ़ी-सांपला-किलोई हलके की बूथ कमेटियों की बैठक ली और जीत का मंत्र दिया। बूथ कमेटी सदस्यों को आज से ही युद्ध स्तर पर चुनावी तैयारियों में जुटने और वोट पड़ने तक अपना बूथ संभालने का निर्देश दिया। दीपेन्द्र हुड्डा ने प्रत्येक बूथ कमेटी से हर बूथ में पिछले बार पड़े वोट से 100 वोट बढ़ाने के लिए काम करने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने करवट ले ली है, प्रदेश में बदलाव का माहौल है। उन्होंने गठबंधन सरकार को चुनौती देते हुए ऐलान किया कि इस बार 90 में से 1 सीट पर भी जेजेपी की जमानत नहीं बचेगी। लोग चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में और चौ. उदयभान की अध्यक्षता में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 15 जनवरी से 'घर-घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस' अभियान शुरू हो रहा है। सभी कांग्रेस कार्यकर्ता हर घर में हर मतदाता तक पहुंचकर कांग्रेस पार्टी के संकल्पों के बारे में बताएं। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि जो राज्य 2014 के पहले विकास में नंबर 1 था, वो आज बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, नशे, अत्याचार में नंबर 1 पर पहुंच गया। 2019 चुनाव के समय भी लोग बीजेपी सरकार से खुश नहीं थे। हरियाणा की जनता ने 14 में से 12 मंत्रियों को हरा दिया और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला को बड़े अंतर से चुनाव हराया। कांग्रेस और भाजपा के बीच केवल 3900 वोट का अंतर था। लेकिन जेजेपी ने अपने मतदाता से धोखा करके फिर से बीजेपी सरकार बना दी।

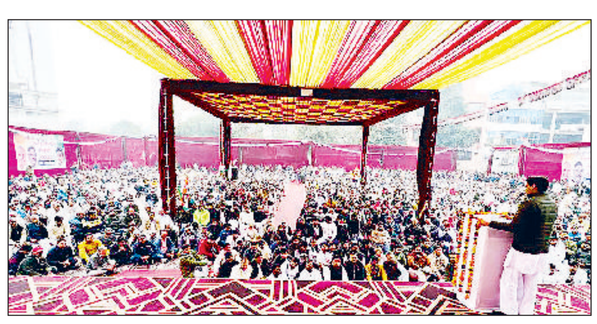

शहर में दर्जनों परियोजनाएं को दिलवाई मंजूरी

उन्होंने क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों के बारे में कहा कि चाहे सत्ता में रहे हों या विपक्ष में हमने इलाके के विकास के लिए दर्जनों बड़ी परियोजनाएं मंजूर कराई और उन्हें पूरा कराया। रोहतक से बीजेपी के लोकसभा सांसद बताएं 5 साल में क्या किया। उन्होंने कहा कि रोहतक लोकसभा पूरे देश में अकेला ऐसा लोकसभा क्षेत्र है, जहां देश के पांच सबसे प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थान आईआईटी, एम्स-2, आईआईएम, एफडीडीआई और आईएचएम मौजूद हैं। 2004 से 2014 के बीच यहां शिक्षा के 48 संस्थान बने। पूरे रोहतक लोकसभा में 257 स्कूल अपग्रेड हुए, 5 नए विश्वविद्यालय, 18 नए सरकारी कॉलेज, 18 नई सरकारी आईटीआई, 8 नए सरकारी पॉलिटेक्निक, 2 नए केंद्रीय विद्यालय, 2 नए इंजीनियरिंग कॉलेज, 120 नए खेल स्टेडियम (1 राष्ट्रीय, 3 राज्य स्तरीय), 2 साई खेल प्रशिक्षण केंद्र (भारत सरकार), 4 सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बने, गांव और शहरों में 68 नए अस्पताल बनवाए।

बीएसएनएल के सहायक ने लगातार दौड़ने के 1300 दिन किए पूरे

रोहतक। बीएसएनएल के सहायक महाप्रबंधक एवं रोहतक रनर्स ग्रुप के धावक अरविंद पाल दहिया ने गुरुवार 11 जनवरी को लगातार दौड़ने के 1300 दिन पूरे किए। दहिया ने लगातार दौड़ने की शुरुआत 20 जून 2020 से की थी और अभी तक वह लगातार प्रतिदिन बिना किसी अवकाश के दौड़ लगा रहे हैं। इन 1300 दिनों में उन्होंने कुल 14124 किलोमीटर की दौड़ लगाई। उनकी प्रतिदिन औसत दौड़ 10 किलोमीटर से ज्यादा बनती है। उन्होंने इस दौरान एक अल्ट्रामैरॉथन (50 किलोमीटर), 6 फुल मैराथन (42.2 किलोमीटर) और 176 हाफ मैराथन (21.1 किलोमीटर) लगाई। दहिया ने बताया कि सबसे कम 3 किलोमीटर तक और अधिकतम 50 किलोमीटर प्रतिदिन की दौड़ लगाई है। इस दौरान उन्होंने 4049 किलोमीटर साइक्लिंग ओर 2400 किलोमीटर वाकिंग भी की।

वार्ड मीडिया अध्यक्ष नियुक्त किया

रोहतक। कांग्रेस के हरियाणा सोशल मीडिया विभाग के अध्यक्ष विधायक सुरेंद्र पवार द्वारा मुकेश श्योराण को वार्ड 8 सोशल मीडिया का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपनी नियुक्ति के लिए विधायक सुरेंद्र पवार सहित पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष उदय भान का आभार जताया।

पारंपरिक रीति रिवाज से मनाई लोहड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जिले में लोहड़ी पर्व का जश्न धूमधाम से मनाया गया। पारंपरिक रीति रिवाज के साथ सुंदर मुंदरिए हो, तेरा कौन विचारा, दुल्हा भट्टी वाला हो गीत पर लोगों ने जमकर नृत्य किया। रेवड़ी, गज्जक, मूंगफली का प्रसाद भी वितरित किया गया। वहीं लोहड़ी पर्व के चलते बाजार में खूब भीड़ रही। लोगों ने मूंगफली, रेवड़ी की खरीदारी की। शाम को लोगों ने अग्नि जलाकर और उसमें रेवड़ी, मूंगफली आदि डालकर पर्व का आनंद उठाया। लोहड़ी का त्योहार भाईचारे का प्रतीक है।

गोकर्ण डेरे पर मनाया गया पर्व

लोहड़ी का पर्व बाबा लक्ष्मणपुरी डेरे पर श्रद्धा से मनाया गया। महामंडलेश्वर स्वामी कपिलपुरी महाराज व बाबा कमलपुरी महारान के साथ भक्तों ने अग्नि में रेवड़ी, मूंगफली आदि डालकर मंगल कामनाएं मांगी। महामंडलेश्वर स्वामी कपिलपुरी महाराज व बाबा कमलपुरी महाराज ने सभी को अपना आर्शीवाद दिया और त्योहार का महत्व बताया।

संकट मोचन मंदिर में मनाया गया लोहड़ी पर्व

हिंदु संस्कृति परंपरा का पवित्र और नववर्ष का पहला त्यौहार लोहड़ी पर्व शनिवार को माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में हर्षोल्लास, उत्साह, श्रद्धा और भक्तिभाव से मनाया। सुंदरिये-मुंदरिये होए, तेरा कौन बेचारा होए, दुल्ला भट्टी वाला होए, दुल्ले की धी ब्याही होए, कोठे उते हुक्का आदि पंजाबी लोक गीतों पर भक्तों ने नृत्य किया। साध्वी मानेश्वरी देवी और भक्तों ने अग्नि जलाकर परिक्रमा की और तिल, गुड़, चावल और भूने हुए मक्के की आहूति डालकर अग्नि देव से मनोकामनाएं मांगी। मूंगफली, रेवड़ी का प्रसाद बांटा गया।

वीबी कॉलेज में मनाया लोहड़ी पर्व

रोहतक। वीबी कॉलेज ऑफ एजूकेशन में लोहड़ी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान सभी ने सुंदरी-मुंदरी गीत गाया और नृत्य प्रस्तुत किया। चेयरमैन सुदर्शन मलिक ने सभी को लोहड़ी की शुभकामनाएं दी। डॉयरेक्टर संतोष मलिक ने लोहड़ी का त्योहार क्यों मनाया जाता है और इसका क्या महत्व है, इस पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान मूंगफली व रेवड़ी का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर डॉयरेक्टर गौरव मलिक, प्राचार्या तृष्णा वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

पारंपरिक गीत गाकर मनाया लोहड़ी पर्व

रोहतक। मदवि के विधि विभाग में लोहड़ी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र ढुल ने सभी को लोहड़ी की बधाई दी। उन्होंने कहा कि लोहड़ी का पर्व सबके जीवन में सुख एवं समृद्धि लेकर आए। पारंपरिक गीत गाते हुए लोहड़ी मनाई गई और रेवड़ियां व मूंगफलियां बांटी गई।

पोजीट्रोन अस्पताल के डॉ. अमित ने बचाई छठ मासे बच्चे की जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सेक्टर -35 स्थित पोजीट्रोन अस्पताल के डॉ. अमित सैनी ने बोहर की रहने वाली दिव्या के छठ मासे बच्चे की जान बचाई जो मात्र 700 ग्राम का था। डॉ. अमित सैनी ने बताया की बच्चा समय से बहुत पहले पैदा हो गया था। इस छठ मासे बच्चे के फेफड़ों का सही विकास न हो पाने से बच्चे को सांस लेने में परेशानी हो रही थी। जिसके लिए डॉ. अमित सैनी ने बच्चे के फेफड़े मजबूत करने के लिए इंजेक्शन दिए व बच्चे को लाइफ सपोर्ट पर रखा गया। बच्चा अत्यधिक कमजोर होने की वजह से उसको खून की कमी भी हुई, जिसके लिए बच्चे को खून चढ़ाया गया। बच्चा 2 महीने तक अस्पताल में भर्ती रहा। बता दें कि डॉ. अमित सैनी ने अभी तक हजारों प्रीमेच्योर बच्चे बचाए हैं। डॉ. अमित सैनी ने कहा कि अस्पताल में अच्छा व सस्ता इलाज जो जयपुर व दिल्ली जैसे बड़े शहरों में होता है वो उपलब्ध है।

पुरानी सब्जी मंडी कांगड़ा और मासाखोर एसो. प्रधान सैनी समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जेजेपी के हलका अध्यक्ष और माशाखोर एशोसिएशन के प्रधान धर्मेंद्र सैनी और पुरानी सब्जी मंडी के प्रधान गगन कांगड़ा ने अपने करीब 100 समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर की मौजूदगी में भाजपा का दामन थामा। पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कहा कि सभी को पार्टी में पूरा मान सम्मान मिलेगा। वहीं जेजेपी छोड़कर भाजपा ज्वाइन करने वाले सैनी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में देश व प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। सब्जी मंडी में आयोजित ज्वाइनिंग कार्यक्रम में दुकानदारों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कहा कि जब उन्हें रोहतक की जनता ने विधायक चुना तो 5 साल के कार्यकाल में अनेक कार्य किए। कच्चा बेरी रोड फ्लाई ओवर बनाकर जहां दर्जनों कॉलोनी के लोगों को शहर से जोड़ने का काम किया वहीं अनाज मंडी, सब्जी मंडी, चारा मंडी की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान किया है। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, महामंत्री सुरेश किराड़, मंडल अध्यक्ष जय भगवान जांगड़ा, पूर्व विधायक सरिता नारायण, रेनू डाबला आदि रहे।

इन दुकानदारों ने भाजपा का दामन थामा

कार्यक्रम में नीरज दहिया, प्रदीप जांगड़ा, सूरजभान सैनी, सुरेश सैनी, राजेश चौहान, अशोक सेन, राजू, महेंद्र सैनी, आर्यन सैनी, आदित्य सैनी, राजीव सैनी, विनोद चौहान, प्रमोद सैनी, विकास सैनी, सुरेश खटक, सुमित सहित करीब 100 दुकानदार भाजपा में शामिल हुए।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- BAMS Doctor 2
- Nursing Staff 6
- RMO 4
- Computer Operator 1
- Accountant 1
- Gatekeeper 3
- Sweeper 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

LPS BOSSARD
Proven Productivity

श्री रामलीला उत्सव कमेटी (रजि.) रोहतक द्वारा

श्री अयोध्या जी में श्री रामलला जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर

विशाल कार्यक्रम

सोमवार, 22 जनवरी 2024

हवन .... प्रातः 10 बजे
उद्‌घाटन समारोह .... प्रातः 11 से 1 बजे
(अयोध्या धाम का लाईव प्रसारण बड़ी स्क्रीन पर)
महाप्रसाद .... दोपहर 1 बजे
श्री सुन्दरकाण्ड पाठ एवं भजन संध्या ... सायं 3 बजे से 6 बजे तक (प्रेम संकीर्तन मण्डल) द्वारा
महाआरती एवं दीप महोत्सव.. सायं 6 बजे

स्थानः शहीद मदन लाल धींगड़ा कम्यूनिटी सैंटर, पुरानी ITI ग्राउण्ड, रोहतक

कार्यक्रम उपरान्त भण्डारा

सभी राम भक्त आमंत्रित है।

- ग्यारह हजार दीप जलाकर उत्सव को दीपावली की तरह मनाया जायेगा।
- सुन्दर काण्ड पाठ के लिए 108 चौकी लगाई जायेगी।
- अयोध्या धाम से लाया गया प्रसाद वितरित किया जायेगा।

आप सभी श्री रामलला के अयोध्या धाम में पधारने के उपलक्ष्य में 14 जनवरी मकर संक्रांति से 22 जनवरी तक अपने घरों, मंदिरों व आस-पास की सफाई करें।

जब 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा हो तो अपने घरों में भी राम ज्योति जलाएं, दीपावली मनाएं और विश्व-शांति के लिए अपने घर व पास के मंदिर में एक दीपक अवश्य जलाएं।

राजेश जैन
एम.डी.,एल.पी.एस.बोसार्ड

वृक्ष लगाओ - पर्यावरण बचाओ

गीले, सूखे कचरे व प्लास्टिक के लिए अलग-अलग कूड़ेदान का उपयोग करें।

LPS BOSSARD Proven Productivity | UPS LAKSHMI | BP Jain Skill Development Centre
Opp. I.G. Office , Delhi Bye Pass, Rohtak -124001

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 14 जनवरी 2024

मकर संक्रांति विशेष

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक ही नहीं अत्यधिक सांस्कृतिक महत्ता भी है। यह पर्व ऋतुचक्र में होने वाले परिवर्तन और सूर्य की गति में बदलाव को भी प्रकट करता है। यह पर्व देश के अलग-अलग भागों में विभिन्न रूपों और नामों से मनाया जाता है। लेकिन इसे मनाने की मूल भावना में निहित सामाजिक समरसता, इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

धार्मिक आस्था-सांस्कृतिक उल्लास का पवित्र पर्व मकर संक्रांति

आवरण कथा / आर.सी.शर्मा

पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक नाम भले अलग-अलग हों, लेकिन मकर संक्रांति का धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व, पूरे भारत में मनाया जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। जैसे- उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में इसे मकर संक्रांति कहते हैं, तो पंजाब में लोहड़ी, गुजरात में उत्तरायण, उत्तराखंड में उत्तरायणी, केरल में पोंगल, असम में माघ बीहू और भोगाली बीहू, बिहार-उत्तर प्रदेश में खिचड़ी, बंगाल में दान पूर्व और तमिलनाडु में पोंगल के नाम से इसे मनाते हैं। चाहे पर्व के नाम अलग-अलग हों और इनके मनाने के तौर तरीके भी थोड़े अलग-अलग हों। लेकिन अपनी मूल प्रकृति और मूल आस्था में ये सारे पर्व एक ही होते हैं। नई फसल तैयार होने की खुशी में नाचना-गाना, सूर्य के उत्तरायण होने से उसके बढ़ते जीवनदायी ताप के प्रति आभार-सम्मान प्रकट करना और पवित्र नदियों में स्नान करने जैसी तमाम तरह की गतिविधियां, इन सभी पर्वों के मूल विधान में शामिल हैं।

केरल में पोंगल पर्व मनाते स्थानीय निवासी

पर्व मनाने की शुभ तिथि

मकर संक्रांति आमतौर पर अंग्रेजी कैलेंडर के जनवरी माह में 14 या 15 जनवरी को मनाई जाती है। मकर संक्रांति की तिथि से सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, इसलिए यह मकर संक्रांति कहलाती है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं, जिसे शास्त्रों के मुताबिक देवताओं का दिन माना जाता है, जबकि दक्षिणायन को देवताओं की निशा यानी रात्रि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन किया गया दान, साल के बाकी किसी भी दिन में किए गए दान के मुकाबले कहीं ज्यादा पुण्य लाभ देने वाला होता है। इस साल मकर संक्रांति की तिथि आज रात के बाद यानी 15 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त से पहले 2 बजकर 54 मिनट से आरंभ होगी, जब सूर्यदेव धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

महत्वपूर्ण-पुण्यकारी धार्मिक कार्य

मकर संक्रांति के दिन सुबह उठकर सूर्य के निकलने से पहले या निकलते समय पवित्र नदियों में स्नान करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके बाद नए साफ वस्त्र पहनकर तांबे के लोटे में पानी भरकर उसमें काला तिल, गुड़ का छोटा टुकड़ा और अगर गंगा में नहीं नहा रहे तो थोड़ा गंगाजल मिलाकर सूर्यदेव को प्रणाम करते हुए उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद गरीबों को दान दिया जाता है, इस दान में तिल और खिचड़ी का होना बहुत शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक मकर संक्रांति की सुबह घर में स्नान करें तो पानी में तिल और गंगाजल अवश्य मिला लें। किसी पवित्र नदी में स्नान कर रहे हों तो जिस जगह स्नान करें, वहां थोड़े तिल और गंगाजल छिड़क देना चाहिए। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं, इसलिए मकर संक्रांति को शनि देव की पूजा भी करनी चाहिए।

कहीं नृत्य तो कहीं पतंगबाजी

मकर संक्रांति देश के अलग-अलग हिस्सों में खूब मस्ती और उमंग के साथ मनाई जाती है। कहीं पर लोग ढोल की थाप पर नाचते-गाते हैं। जैसे पंजाब में भागड़ा और गिद्धा लोकनृत्य किया जाता है। इसी तरह असम में लोग बिहू लोकनृत्य में सामूहिक रूप से शामिल होते हैं। गुजरात और उत्तर भारत में इस अवसर पर बड़े पैमाने पर पतंग उत्सव का भी आयोजन किया जाता है।

असम में माघ बीहू के अवसर पर सामूहिक नृत्य करतीं महिलाएं

पर्व का जीवन में महत्व

मकर संक्रांति पर्व का महत्व सिर्फ धार्मिक या पारंपरिक संस्कारों तक ही सीमित नहीं है। इसका सीधा-सीधा रिश्ता बदलते हुए ऋतु चक्रों से भी होता है। जिस कारण बहते हुए पानी में स्नान किए जाने की परंपरा इससे जोड़ी गई है। इसका वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य यह है कि इन तिथियों को बहते हुए पानी में ऊर्जा की अधिकता होती है और उस पानी में स्नान करने से इंसान बहुत तरह की शारीरिक व्याधियों से छुटकारा पा जाता है। साथ ही बदलते हुए मौसम के इस संधिकाल में सूर्य के ताप, पृथ्वी और जल की ऊर्जा का शरीर में इस तरह से प्रभाव पड़ता है कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इसलिए संक्रांति को सिर्फ धर्म की नहीं प्रकृति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। *

वर्ष में होती हैं तीन संक्रांतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में एक नहीं तीन संक्रांतियां मनाई जाती हैं- मकर संक्रांति, विषुवत संक्रांति और कार्तिक संक्रांति। सभी में एक जैसी श्रद्धा और एक जैसी धार्मिक भावनाएं होती हैं। विषुवत संक्रांति अप्रैल माह में पड़ती है, इस तिथि पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। साथ ही इसी दिन विशाखा नक्षत्र में भी प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे वैशाखी भी कहा जाता है। इसी तरह कार्तिक संक्रांति हिंदुओं में बहुत पवित्र मानी जाती है। कार्तिक संक्रांति में सूर्य तुला राशि में प्रवेश करते हैं। आमतौर पर यह अक्टूबर के मध्य में आती है। सभी संक्रांतियों में सूर्योदय से पहले उठकर या उग रहे सूर्य के समय स्नान का विधान होता है। साथ ही इस दिन पवित्र नदियों में भी स्नान करने का महत्व बताया गया है। *

जीवन में सुकून और खुशी तो सभी चाहते हैं लेकिन इन्हें पाने के लिए किस रास्ते पर चलने की जरूरत होती है, इस बारे में कम ही लोगों को पता होता है। वास्तव में सुकून-खुशी हासिल करना कठिन नहीं है, अगर आप सही दिशा में इसे तलाश करें।

सुकून-खुशी पाना कठिन नहीं है, अगर...

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

अगर आपको दिल्ली से कोलकाता जाना हो लेकिन आप ट्रेन या फ्लाइट चेन्नई की पकड़ लें तो कोलकाता पहुंचेंगे या चेन्नई? यह सवाल आपको अटपटा लग सकता है लेकिन व्यावहारिक जीवन में देखें तो खुशी और सुकून की तलाश में हम कुछ इसी तरह गलत राह पर चलते हुए अपनी मंजिल से भटक जाते हैं और हमें इसका एहसास ही नहीं होता है।

लिविंग स्टैंडर्ड का गलत पैमाना: बेहतरी, सफलता, समृद्धि और सुकून के वास्तविक स्वरूप को समझने में लोग अकसर चूक जाते हैं। इसमें पूरी तरह गलती आपकी नहीं है। वास्तव में हमारा माहौल, संगत और समाज कई मामलों में हमारा नजरिया तय करते हैं। यही वजह है कि आज स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई होने यानी सफलता और खुशहाली का प्रतीक भौतिक साधनों के बहुलता को माना जा रहा है। आपके जीवन का स्तर कितना ऊंचा है, यह इस बात से तय होता है कि आप का मकान शहर के किस पॉश इलाके में है, कितना बड़ा मकान या फ्लैट है, आपकी कार कितनी महंगी है, आपके यहां कितने नौकर-चाकर काम करते हैं, आपका बैंक बैलेंस कितना बड़ा है, आपका मोबाइल किस ब्रांड का है, आप शहर के किस रेस्तरां में डिनर या लंच के लिए जाते हैं, किस ब्रांड के कपड़े, घड़ी या जूते पहनते हैं? आप छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाते हैं या नहीं? इतना ही नहीं रेव पार्टीज में या महंगे क्लब्स में जाना भी स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग का प्रतीक बन गया है।

अपना नुकसान खुद करते हम: आज के दौर का यह सच बन गया है कि हममें से अधिकांश लोगों के जीवन का ज्यादातर समय इन्हीं को पा लेने की कोशिश में खप जाता है, इन्हीं में सुकून और खुशहाली की तलाश करते हुए अनजाने में ही हम परेशान, बदहाल और तनावग्रस्त रहने लगते हैं। पिछली सदी में बुजुर्ग और अब तो वैज्ञानिक भी कहते हैं कि चिंता, चिता के समान होती है। हम अपनी ही नासमझी से गलत जीवनशैली के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्ट्रोक, हृदय रोगों और कैंसर जैसे घातक रोगों के शिकार बेहद आसानी से हो जाते हैं। नतीजतन ना मनचाहा खा सकते हैं ना ढंग से सो पाते हैं। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। लेकिन जब माया के चक्कर में काया ही रोगी हो गई तो सुख और सुकून भला कैसे मिलेंगे?

गलत मार्ग पर मंजिल की तलाश: हममें से अधिकतर लोग समझ ही नहीं पाते कि आखिर इतने प्रयासों के बावजूद हम सुखी क्यों नहीं हो पा रहे हैं? सीधी सी बात है, जाना था जापान पहुंच गए चीन वाली कहावत हमारे साथ लागू हो गई है। हमारे प्रयास ही गलत दिशा में और गलत चीजों के लिए होते हैं। हमारा लक्ष्य कुछ और होता है और राह हम दूसरी पकड़ लेते हैं। हम अपने जीवन का स्तर ऊंचा करने की बजाय, इसे छोड़कर दूसरी भौतिक, दिखावटी और गैर जरूरी चीजों का स्तर ऊंचा करने में जुट जाते हैं। स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग को ऊंचा करना एक अंतहीन प्रयास है, जिसका कोई उच्चतम मापदंड आज तक कोई निश्चित नहीं कर पाया है। आप चाहे जितना महंगा सामान खरीदेंगे, आपसे भी महंगा किसी और के पास मिल जाएगा। उसे देखते ही आपका अहं, चूर-चूर हो जाएगा और खुशी काफूर हो जाएगी।

आंतरिक सुकून की राह: आपको जीवन का स्तर ऊंचा रखना है, सुकून, सुख और खुशहाली से रहना है तो जरूरतों और चाहतों में अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोषम् परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाना होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परोपकार, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

नवगीत / शिवचरण चौहान

धूप आई, जान आई

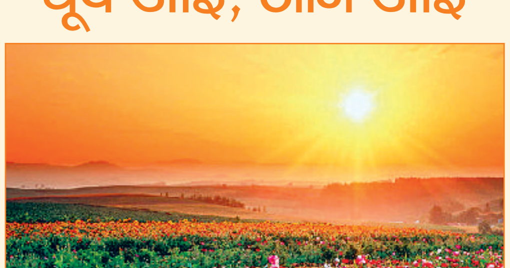

धूप आई
जान आई!
शीत से मारे हुए
फूलों के मुख
मुस्कान आई।
आएगा ऋतुराज पक्का
जानते हैं हम सभी
पर शिशिर, हेमंत तो
सबको रुलाएगा अभी,
सभी के चेहरों में मीठी
धूप है मुस्कान लाई।।
धुंध, कोहरे से महीना
गले तक डूबा हुआ था।
और भारत इस अयाचित
बर्फ से ऊबा हुआ था।
आज चिड़ियों के
स्वरों में एक मधुरिम
तान आई।
धूप निकली है छिटक कर
जान में है जान आई।।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता में उम्मीद

हाल में युवा कवि अनुराग वत्स का पहला कविता संग्रह 'उम्मीद प्रेम का अन्न है' छपकर आया है। इसमें उनकी कई छोटी कविताओं के साथ ही आत्मकथ्य भी संकलित हैं। इस पुस्तक की कई कविताएं, प्रेमानुभूति से जुड़ी बहुत बारीक संवेदनाओं को व्यक्त करती हैं। *'बात न हो, बात की याद हो/तो वह याद ही भेज दो।'* जैसी पंक्तियां मन के भीतर ठहर सी जाती हैं। प्रेम की अनुभूति से इतर भी कुछ कविताएं, अनुराग की सूक्ष्म संवेदनात्मक दृष्टि को प्रमाणित करती हैं। इस लिहाज से 'पिता:1' कविता को देख सकते हैं, जिसमें पिता शब्द को लिखे बिना ही अनुराग, मार्मिकता से उनकी अनुपस्थिति को महसूस करते हैं। इसी तरह 'हाथ की कांप' में वह दार्शनिक लहजे में जीवन और नियति को परिभाषित करते हैं। कहा जा सकता है कि किसी वाद या वैचारिकता से मुक्त ये भावसंपन्न कविताएं, आने वाले समय में अनुराग से और बेहतर रचनाओं की उम्मीद जगाती हैं। *

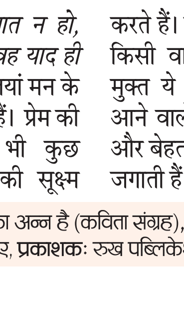

पुस्तक: उम्मीद प्रेम का अन्न है (कविता संग्रह), **लेखक:** अनुराग वत्स, **मूल्य:** 150 रुपए, **प्रकाशक:** रुख पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

कहानी
शीला श्रीवास्तव

सविता जी को इस बात की चिंता मन ही मन में सताए हुए थी कि बेटे रवि की शादी के बाद उनका प्यार बंट जाएगा। वह पत्नी का साथ पाकर उनसे दूर हो जाएगा। इसलिए वह उसकी शादी टाल रही थीं। मां के अगाध प्रेम पर केंद्रित दिल को छूती कहानी।

अलगाव

मंदिर से आकर सविता जी धम्म से सोफे पर बैठ गईं। पति जयप्रकाश जी ने धीमे स्वर में पूछा, 'क्या बात है भाग्यवान, मूड क्यों खराब है?'

'पता नहीं, लोगों को क्या पड़ी है, जो बार-बार हमारे बेटे रवि की शादी के बारे में पूछते हैं। अरे, नहीं करनी मुझे रवि की शादी। शादी के बाद वह भी हमसे अलग हो जाएगा।' सविता जी कुढ़ते हुए बोलीं।

'तुम स्वार्थी हो गई हो रवि की मां। अपने स्वार्थ के लिए तुम अपने बेटे को सदा के लिए कुंवारा रखना चाहती हो।' जयप्रकाश जी गंभीर स्वर में बोले।

'आपको जो समझना है, समझिए।' दोनों पति-पत्नी में बहस चल ही रही थी, तभी रवि आ गया। उसके आते ही दोनों ऐसे हंस-हंसकर बातें करने लगे, जैसे उनके बीच कोई हास-परिहास चल रहा हो।

दरअसल, रवि अपनी मां के मन से अनभिज्ञ अपनी एक कुलीग सुजाता से प्यार कर बैठा। एक दिन सकुचाते-सकुचाते उसने अपने दिल की बात अपनी मां से कह ही दी। सविता जी को जैसे झटका-सा लगा। वह जड़वत रह गईं। तभी रवि ने मां को झकझोरते हुए पूछा था, 'क्या सोच रही हो मां?'

'कुछ नहीं बेटा, शादी की अभी इतनी जल्दी क्या है? अभी छब्बीस की ही तो उम्र है तुम्हारी।' सविता जी अपनी भावनाओं को छुपाते हुए बोली थीं।

बस उसी दिन से रवि उदास रहने लगा। सविता जी अपने बेटे के उदासी के कारण को अच्छी तरह जानती थीं, लेकिन वह अपनी शंकाओं से मुक्त भी तो नहीं हो पा रही थीं।

एक दिन वह अपने बेटे रवि के सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'काश! तू हमेशा बच्चा ही रहता तो कितना अच्छा होता, लेकिन अब तू बड़ा हो गया है। तुझे मां की नहीं बल्कि एक जीवन संगिनी की जरूरत है...।' लेकिन सविता जी ने वाक्य अधूरा ही छोड़ दिया। उनकी आवाज बीच में ही भर आई थी, आंखों से मोटे-मोटे आंसू टपक पड़े।

रवि अपनी मां के आंसुओं का मतलब नहीं समझ पाया, इसलिए आश्चर्य और प्रश्न भरी नजरों से मां को निहारने लगा। तभी जयप्रकाश जी ने बात संभाली, 'अरे बेटा, तुम्हारी मां डरती है कि शादी के बाद कहीं तुम्हारा प्यार बंट ना जाए।'

'ओफ्फ हो मां.. तुम भी न, कुछ भी सोचती रहती हो।' रवि हंसते हुए बोला।

रवि के ऑफिस जाने के बाद जयप्रकाश जी ने सविता जी को समझाया, 'देखो रवि की मां, हम मां-बाप को अपना फर्ज निभाना चाहिए। अब आगे चलकर बेटा-बहू हमें पूछें या ना पूछें, यह उनकी मर्जी। अपने स्वार्थ में अंधे होकर हम अपने बच्चों की खुशियों को दांव पर तो नहीं लगा सकते ना।'

जयप्रकाश जी एक पल रुक कर आगे बोले, 'अच्छा बताओ, तुम्हें ज्यादा खुशी किस बात में होगी, जब रवि कुंवारा रहकर दुखी मन से हम लोगों की सेवा करेगा या फिर अपने जीवन साथी के साथ खुशहाल जिंदगी जिएगा?'

'हां, मैं स्वार्थी हो गई थी। मेरे लिए तो मेरे बेटे की खुशी से बढ़कर कुछ और नहीं होना चाहिए। यह सही नहीं है।' सविता जी को अपने पति की बात अच्छे से समझ में आ गई थी।

दूसरे ही दिन सविता जी अपना घुटना लेकर बैठ गईं।

'क्या हुआ मां, घुटने में दर्द हो रहा है क्या?' रवि ने पूछा।

'हां रे, बहुत दर्द हो रहा है। अब मुझसे ज्यादा काम नहीं होता। ऐसा कर तू शादी कर ले।' सविता जी झूठ-मूठ दर्द से कराहती हुई बोलीं।

'क्या मां, कभी तुम कुछ बोलती हो तो कभी कुछ।' रवि सहज स्वर में बोला। जयप्रकाश जी अपनी पत्नी के बहाने को अच्छी तरह समझ रहे थे, इसलिए तपाक से बीच में बोल पड़े, 'अब तुम्हारी मां सठिया गई हैं बेटा। बहू आ जाएगी तो इनको सहारा मिल जाएगा।'

'ऐसी बात है तो मैं कल ही लड़की वालों को घर पर बुलाता हूं।' रवि खुशी से चहकते हुए बोला तो सविता जी की आंखें भर आईं। इस बार उनकी आंखों में स्नेह के आंसू थे।

जयप्रकाश जी ने राहत की सांस ली। *

लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा

त्योहारी शगुन

श्वेता संक्रांति के पर्व पर दिए जाने वाले शगुन को सगे-संबंधियों और आस-पड़ोस की महिलाओं के बजाय मेड सर्वेंट्स को देती रही है। आज त्योहार के दिन सुबह-सुबह शगुन सामग्री बांटने की तैयारी में जुटी श्वेता को सासू मां ने टोका। सुहाग से जुड़ी चीजें अपनी बराबरी वालों को देने की सलाह देतीं, सासू मां के आपत्ति जताने पर उसने सहज भाव से कहा, 'इसमें बराबरी कैसी मां? यूं इस पर्व पर स्नेह स्वरूप भेंट देने की रीत पुण्य कमाने से ज्यादा परवाह के भाव से जुड़ी है। परवाह की सोच प्रेम की डोर से बंधी है। प्रेम का आधार किसी के जीवन को सहज बनाना है। सहजता किसी की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को समझकर मदद करने की श्रद्धा से जुड़ी है।' 'अच्छा ठीक है...ठीक है।' कहते हुए सासू मां ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। फिर थोड़ी गंभीर होकर बोलीं, 'हां, बात तो सही है। आपस में लेना-देना करने से तो इस रीत के मायने ही बदल गए। यह रिवाज बना तो सौगात स्वरूप एक-दूजे का जीवन सहज बनाने वाले सामान देने को लेकर ही है ना। समय के साथ रीत भी बदलनी ही चाहिए बहू।'

श्वेता की खुशी सासू मां का समर्थन पाकर और बढ़ गई। उसने प्यार भरे अंदाज में सूचित करते हुए कहा, 'मेरा ही नहीं, अबके बरस आपका शगुन भी ठंड के मौसम में हमारा जीवन सहज-सुविधाजनक बनाने वाली मेड सर्वेंट्स को देंगे मां।'

त्योहार के दिन घर के स्नेहमयी परिवेश में इस बात पर लगा दोनों का ठहाका डोर बेल बजते ही रुका। कड़कड़ाती ठंड में श्वेता ने ठिठके हाथों से दरवाजा खोला तो पिछले साल त्योहारी सौगात में दी स्वेटर पहने उनकी घरेलू सहायिका खड़ी थी। उसके भीतर आते ही सास-बहू ने मानवीय अनुभूतियों भरी मुस्कुराहट संग एक-दूजे की ओर देखा और शगुन की सामग्री पर जा टिकी उनकी आंखें संवेदनाओं की नमी से भीग गईं। आसमान तक छाई रंग-बिरंगी त्योहारी रौनक में आज दो पीढ़ियां परवाह के भाव से उपजे सार्थक परिवर्तन की साक्षी बनीं, विचार के बदलाव से आए व्यावहारिक परिणाम को देख रही थीं। *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

जीवन में सफल होने के लिए 'साइंस ऑफ सक्सेस' के बारे में पता होना जरूरी है। वास्तव में यह अपने सपने या लक्ष्य को पाने की दिशा में स्टेप बाई स्टेप की जाने वाली एक प्रक्रिया होती है। साइंस ऑफ सक्सेस क्या है और इसे जीवन में लागू करने के लिए क्या, कैसे कर सकते हैं, जानिए।

क्या आप जानते हैं साइंस ऑफ सक्सेस

सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर

मशहूर अमेरिकी लेखक नेपोलियन हिल की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब 'थिंक एंड ग्रो रिच' में साइंस ऑफ सक्सेस का जो फॉर्मूला बताया गया है। इसके मुताबिक अगर आप सफल होना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाएं। लगातार ध्यान में बने रहना ही 'साइंस ऑफ सक्सेस' है। इसे सीखने के लिए कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा।

बनाएं प्रॉपर वर्क प्लानिंग

यह सच है कि खुद को अपने लक्ष्य के प्रति फोकस्ड बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। यह चुनौती तभी सधती है, जब आप इसके लिए एक स्पेशल प्लानिंग बनाएं और उसे अपनाएं। इसके लिए अपने साथ एक ऐसी पॉकेट डायरी रखनी चाहिए, जिसमें आपके लक्ष्य लिखे हों और उन्हें दिन में कई बार निकालकर देखते रहें। अपने ज्यादातर काम आप तब करें, जब ऊर्जा से लबालब हों। और हां, किसी भी काम को करने से पहले ही उस काम का एक शेड्यूल बना लें और उन्हें पार्ट्स में डिवाइड कर लें। साथ ही शोर-शराबे से दूर रहने का इंतजाम करें। जो चीजें या कंडीशंस, बार-बार आपको लक्ष्य से भटकाएं, उनको अपने से दूर रखें, विशेषकर मोबाइल फोन।

मन को हमेशा फोकस्ड रखें

वैसे अपने काम में ध्यान केंद्रित करने के एक नहीं कई तरीके हो सकते हैं। ये तरीके तभी कारगर होते हैं, जब आप अपने मन को केंद्रित करने की कोई कारगर तरीका अपनाएं। दूसरे शब्दों में, अपने काम पर फोकस करने के लिए मन की एकाग्रता जरूरी है। हर दिन के लिए निर्धारित काम अगर आप उसी दिन कर लेते हैं, तो ना सिर्फ काम में लगातार मन लगा रहता है बल्कि यह आपको उत्साहित भी करता है। दिन में काम शुरू करने के पहले मन ही मन एक तात्कालिक लक्ष्य भी निर्धारित करें और उस लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने की कोशिश करें। आपका मन बेहतर तरीके से किसी काम में तभी लगता है, जब आप अपने विचारों और भावनाओं को भी अपने लक्ष्य के साथ जोड़ लेते हैं। इससे मन और मस्तिष्क में दो अलग-अलग धाराएं नहीं रहती हैं।

शुभचिंतकों से लें प्रेरणा

दुनिया में जितने भी सफल लोग हुए हैं, उन सबके पास अपना फंडामेंटल साइंस ऑफ सक्सेस होता है। इसका दूसरे शब्दों में मतलब यह होता है कि साइंस ऑफ सक्सेस कोई निश्चित और तकनीकी रूप से एक ही डेफिनिशन नहीं होती, बल्कि आप जिस भी तरह से खुद को बेहतर परफॉर्म करने के लिए रेडी कर सकें, वही साइंस ऑफ सक्सेस का सबसे ठोस तरीका और फॉर्मूला होता है। कुछ लोग अपने लक्ष्य को हासिल करने में तब तक सफल नहीं होते, जब तक उन्हें किसी अन्य से इस मामले में जबरदस्त प्रेरणा ना मिले। अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं तो अपने ऐसे शुभचिंतकों से मिलते रहें, जो आपको लगातार सफल होने के लिए प्रेरित करते रहें।

अपने मूल्य बरकरार रखें

सफल होने का एक प्रमुख सूत्र यह भी है कि आप जहां पर सक्रिय हों, वहां महत्वपूर्ण माने जाएं। यानी आपकी भूमिका

अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण होनी चाहिए। अगर आप अपनी मौजूदगी में महत्वपूर्ण नहीं होते तो आपके लिए किसी भी लक्ष्य को पाना आसान नहीं होता है।

रिस्क लेने से ना डरें

कुछ लोग जीवन में इसलिए भी सफल नहीं हो पाते, क्योंकि असफलता के डर से वे कभी कोई प्रयोग नहीं करते, कोई रिस्क नहीं लेते। जब आप ऐसा करते हैं तो सफल होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। कहने का मतलब है, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जोखिम लेना भी सीखना होगा और गलतियां करने का साहस भी करना होगा।

महत्वाकांक्षी लोगों के साथ रहें

अगर आप ऐसे लोगों के साथ रहते हैं, जो आपकी तरह ही महत्वाकांक्षी हों, आपकी तरह ही सफल होने के सपने देखते हों और आपकी तरह ही उनके अपने लक्ष्य हों तो इसका भी फायदा आपको मिलता है। ऐसे लोगों के आस-पास होने से आप लगातार प्रेरित होते रहते हैं और जिस भी क्षेत्र में होते हैं, वहां सफलता पाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

इस तरह यहां बताई गई बातों को अगर आप अमल में लाते हैं तो आपको सफल होने से कोई रोक नहीं सकता है।*

समुद्र तट पर नमकीन सौंदर्य की छटा रण ऑफ कच्छ

गुजरात राज्य के तटीय जिले कच्छ में स्थित रण ऑफ कच्छ, अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। हर वर्ष नवंबर से फरवरी के मध्य यहां आयोजित होने वाले रण उत्सव में देश-विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। रण ऑफ कच्छ और रण उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

टूरिस्ट स्पॉट / देवेंद्रराज सुथार

अपने देश के गुजरात राज्य में स्थित कच्छ का रण ना केवल अपने प्राकृतिक वैभव के लिए जाना जाता है, बल्कि स्थानीय कलाकारों द्वारा आयोजित रण उत्सव के लिए भी काफी लोकप्रिय है।

कच्छ के रण की प्राकृतिक स्थिति: कच्छ का रण दिखने में बहुत आकर्षक लगता है। इसके निर्माण की प्रक्रिया प्रकृति स्वयं नियंत्रित करती है। हर वर्ष गर्मियों के बाद मानसून के आगमन के साथ ही कच्छ की खाड़ी का पानी इस रेगिस्तान में आ जाता है, जिससे सफेद रण जुलाई से नवंबर के बीच एक विशाल समुद्र जैसा दिखाई देने लगता है। लगभग 26 हजार वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैला कच्छ का रण सिकंदर के समय में एक नौगम्य झील हुआ करती थी। अब यह दो भागों में बंट गया है। उत्तरी रण यानी ग्रेट रण ऑफ कच्छ और पूर्वी रण यानी लिटिल रण ऑफ कच्छ। यहां का तापमान गर्मियों में 44 से 50 डिग्री तक बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में शून्य से नीचे चला जाता है।

कच्छ के रण का इतिहास: ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार कच्छ पर पहले सिंध के राजपूतों का शासन हुआ करता था, लेकिन बाद में जडेजा राजपूत राजा खेंगरजी के समय भुज को कच्छ की राजधानी बना दिया गया। सन् 1741 में राजा लखपतजी कच्छ के राजा बने। 1815 में अंग्रेजों ने डूंगर पहाड़ी पर कब्जा कर लिया और कच्छ को ब्रिटिश जिला घोषित कर दिया गया। ब्रिटिश शासन काल में ही कच्छ में रंजीत विलास महल, मांडवी का विजय विलास आदि महल भी बनवाए गए।

भारत को मिला कच्छ का रण: आज कच्छ के रण का अधिकांश भाग भारत के गुजरात में है, जबकि कुछ भाग पाकिस्तान में है। अप्रैल 1965 में रण के पश्चिमी छोर पर भारत-पाक सीमा को लेकर लड़ाई छिड़ गई थी। बाद में ब्रिटेन के हस्तक्षेप से यह युद्ध खत्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन महासचिव द्वारा सुरक्षा परिषद को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर इस विवादित मामले को ट्रिब्यूनल को भेजा गया। ट्रिब्यूनल ने 1968 में फैसला सुनाया कि रण का 10 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान के पास और 90 प्रतिशत हिस्सा भारत के पास रहेगा। इस तरह एक साल बाद 1969 में कच्छ के रण का विभाजन हो गया।

आकर्षक होता है रण उत्सव: हर साल 8 से 10 लाख पर्यटक नवंबर से फरवरी तक आयोजित होने वाले कच्छ रण उत्सव को देखने, चांदनी रात के खुले आसमान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने, के लिए यहां आते हैं। यहां पर्यटकों को कई तरह की कलाओं और उनमें दक्ष लोगों से रूबरू होने का मौका मिलता है। रण उत्सव के दौरान कई कलाकार अपनी कला के जरिए रेत पर भारत के इतिहास की झलक दिखाते हैं। पिछले कई वर्षों में रण उत्सव के दौरान कलाकारों ने रामायण से लेकर स्वामी विवेकानंद की कच्छ यात्रा तक के पात्रों को अपनी कला में प्रदर्शित किया है। यहां आकर स्थानीय लोगों की जीवनशैली और हस्तशिल्प कला से भी रूबरू हो सकते हैं। रण उत्सव के दौरान भुज से पांच किमी. दूर रण मैदान के मध्य धोरडो गांव के पास एक पर्यटक शिविर लगाया जाता है, जहां देशी-विदेशी पर्यटकों को सभी सुविधाओं के साथ ठहराया जाता है। यहां आप डेजर्ट पेट्रोलिंग व्हीकल पर रेगिस्तान में सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। इतना ही नहीं, इस रेगिस्तान में आपको लोमड़ी और राजहंस की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिलेंगी। भुज के पास भुजोड़ी नाम का एक गांव है, जहां वानकर समुदाय के लगभग 1,200 कारीगर रहते हैं। ये लोग यहां कपड़ा और हस्तशिल्प इकाइयों में काम करते हैं। यहां बुनकरों, ब्लॉक प्रिंटर और टाई-डाई कलाकारों से मिलने और उनके शिल्प के बारे में जानने का मौका मिलता है।

ऐसे पहुंचें कच्छ के रण: भुज, कच्छ के रण के बहुत करीब है। सभी प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों से यहां आया जा सकता है। भुज से रण की दूरी सिर्फ 80 किमी है। आप चाहें तो भुज से गुजरात टूरिज्म बस की सुविधा भी ले सकते हैं, जो आपको सीधे कच्छ के रण तक ले जाएगी। अगर आप फ्लाइट से आना चाहते हैं, तो बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और गोवा से सीधी फ्लाइट भुज एयरपोर्ट के लिए चलती हैं। अगर आप ट्रेन से कच्छ जाना चाहते हैं, तो भुज एक्सप्रेस और हजरत एक्सप्रेस दिल्ली से चलती हैं। अगर आप सड़क मार्ग से आना चाहते हैं, तो दिल्ली, मुंबई, पुणे और जोधपुर से कच्छ के रण तक पहुंच सकते हैं।*

जानकारी / वीना गौतम

कई तरह से फायदेमंद बादाम का पेड़

बादाम एक मेवा है, मेवा यानी सूखा फल। बादाम को अंग्रेजी में ऑल्मंड, संस्कृत में वाताद या वातवैरी, हिंदी, मराठी, गुजराती और बांग्ला में बादाम और फारसी में बदाम शोरी कहते हैं। बादाम का पेड़ 4 से 12 मीटर तक ऊंचा होता है। बादाम के पेड़ में गुलाबी, सफेद फूल लगते हैं, फिर इन्हीं में फल बनता है।

अमेरिका में सर्वाधिक उत्पादन: जहां तक बादाम उत्पादन की बात है, तो अमेरिका इसमें पहले स्थान पर है। दुनिया में बादाम की कुल आपूर्ति का 80 प्रतिशत अमेरिका के कैलीफोर्निया से होती है।

भारत में बादाम की खेती: भारत में बादाम उत्पादन सबसे ज्यादा जम्मू-कश्मीर में होता है। भारत में पैदा होने वाले कुल बादाम का 85 फीसदी हिस्सा जम्मू-कश्मीर से ही आता है। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, गांदरबल और बारामूला जिले बादाम के प्रमुख उत्पादक हैं। भारत में शेष पैदा होने वाले बादाम में से करीब 8 फीसदी हिमाचल प्रदेश, लद्दाख में होता है।

बढ़ रही बादाम की मांग: आयुर्वेद में बादाम को बुद्धि और नसों के लिए गुणकारी बताया गया है। जैसे-जैसे दुनिया भर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजगता आ रही है, बादाम की मांग बढ़ती जा रही है।

कमाई का बेहतरीन विकल्प: अमूमन बादाम 600 रुपए प्रति किलो से कम का नहीं मिलता और अच्छी क्वालिटी वाले बादाम की कीमत 1,000 रुपए प्रति किलो होती है। इसीलिए किसानों के लिए बादाम की खेती ज्यादा फायदेमंद होती है, इसलिए देश के कई हिस्सों में बादाम के पेड़ लगाने के प्रति किसान अधिक आकर्षित हो रहे हैं। एक बार बादाम का पेड़ तैयार हो जाए तो यह 50 साल तक फल देता है।*

सोशल इश्यू

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

यह बेहद चिंताजनक बात है कि बाजार की चमक-दमक के जाल में हमारे नौनिहाल फंसते जा रहे हैं। ऐसे में पैरेंट्स ही नहीं सारे समाज को सजग रहने की जरूरत है।

बहुत चिंताजनक है बचपन का बाजारीकरण

अगर यह कहा जाए कि वैश्वीकरण के मौजूदा दौर में सारा देश-समाज बाजार में तब्दील होने लगा है तो गलत नहीं होगा। चिंताजनक बात यह है कि इस बदलाव ने बचपन का भी बाजारीकरण करना शुरू कर दिया है। इसी का परिणाम है कि बच्चों के लिए उपयोगी वस्तुओं के साथ फ्रिज, वाशिंग मशीन, बाइक, कार, फर्नीचर जैसी महंगी खरीददारी में भी बच्चे बाजार के अनुकूल अपनी सहमति देने लगे हैं। मजे की बात यह कि अधिकांश मां-बाप को शायद ही इसका रंच मात्र आभास हो कि उनके बच्चों को करोड़ों की खरीद-फरोख्त के बाजारू जाल में फंसाया जा चुका है।

विज्ञापनों की बड़ी भूमिका: सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार, बच्चों को बाजार के चंगुल में फंसाने में टेलीविजन और विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों का बड़ा हाथ है। सूचना माध्यमों का विज्ञापन एक तरीका है, जो हमारी आवश्यकताओं के अनुसार विकल्प प्रस्तुत करते हैं, जिसमें से हम अपनी जरूरत के अनुसार वस्तुओं का चयन कर सकते हैं। लेकिन बच्चों में विवेक कम होता है। आठ-दस साल का बच्चा यह नहीं जान सकता कि टीवी पर जगमगाते विज्ञापन वास्तविकता से कोसों दूर सिर्फ वस्तु के प्रचार होते हैं।

मीडिया की सुनियोजित प्लानिंग: बाजार की ताकतें जीवन की बदलती प्राथमिकताओं और स्थितियों के बीच अपना वर्चस्व स्थापित करना जानती हैं। माता-पिता अपनी भाग-दौड़ भरी जिंदगी के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। परिणामतः बच्चे अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। वह अपना अकेलापन बांटने के लिए निरंतर टीवी चैनलों या सोशल मीडिया के संपर्क में रहते हैं। मार्केटिंग तंत्र इसका पूरा फायदा उठाने में लगा रहता है। यह टीवी पर प्रसारित होने वाले उन्हीं सीरियलों को विशेष रूप से स्पांसर करता है, जिसमें पारंपरिक मूल्यों से मुक्त चमक-दमक भरी पाश्चात्य शैली की जिंदगी दिखाई गई होती है, जबकि औसत हिंदुस्तानी बच्चे का पारिवारिक परिवेश इससे एकदम अलग किस्म का होता है। लेकिन मासूम बच्चे यह अंतर नहीं समझ पाते हैं। वह टीवी वाली जिंदगी को सत्य मानकर उसे अपने जीवन में उतारना चाहता है।

इसके अलावा बच्चों का ध्यान खींचने के लिए तीन चौथाई विज्ञापनों में बच्चों से ही एक्टिंग करवाई जाती है। विज्ञापन का बच्चा, बाल दर्शकों को खूब आकर्षित करता है। वे विज्ञापन वाले बच्चे जैसा स्वयं भी दिखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें वैसा ही स्कूल बैग, जूता, कैप, खिलौने, शर्ट वगैरह तो चाहिए ही, घरेलू समान भी विज्ञापन वाले बच्चे के मम्मी-पापा जैसा ही चाहते हैं। वास्तव में बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं।

नमिता उन्नीकृष्णन और शैलजा वाजपेयी द्वारा किए गए 'द इंपैक्ट ऑफ टीवी एडवरटाइजिंग ऑन चिल्ड्रेन' शीर्षक के अध्ययन के अनुसार, आठ से पंद्रह साल के पचहत्तर प्रतिशत बच्चे टेलीविजन विज्ञापनों में प्रदर्शित उत्पादों को हासिल करना चाहते हैं।

हम सभी बनें सजग: आधुनिक भारतीय समाज अपने अंदर विरोधाभास को समेटे हुए जी रहा है। एक तरफ संपन्नता और विलासिता में डूबे कुछेक लाख लोग और उनका पिछलग्गू बड़ा मध्यवर्ग है। दूसरी तरफ एक बहुत बड़ी आबादी जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित घुट रही है। लेकिन इस संवर्ग के बच्चे और किशोर विज्ञापनों के प्रभाव में, अपने ही आयुवर्ग के संपन्न परिवार के संतानों जैसा जीवन जीने की ललक रखने लगते हैं। इस प्रवृत्ति को दूर करने के लिए केवल चिंता जताने से कुछ नहीं होगा, सभी पैरेंट्स, समाज और नीति निर्धारकों को इस दिशा में कारगर कदम भी उठाने होंगे।*

विशेष: मकर संक्रांति

सिने-जगत / अशोक जोशी

मकर संक्रांति के अवसर पर खूब उत्साह-उमंग से पतंग उड़ाई जाती है। हिंदी फिल्मों में इस पर्व को तो नहीं, लेकिन पतंग के टाइटल वाली फिल्में और उस पर आधारित गीत खूब बनते रहे हैं। पतंग टाइटल वाली कुछ चर्चित फिल्मों और गीतों पर एक नजर।

सिनेमा-पर्दे पर भी खूब उड़ी हैं पतंगें

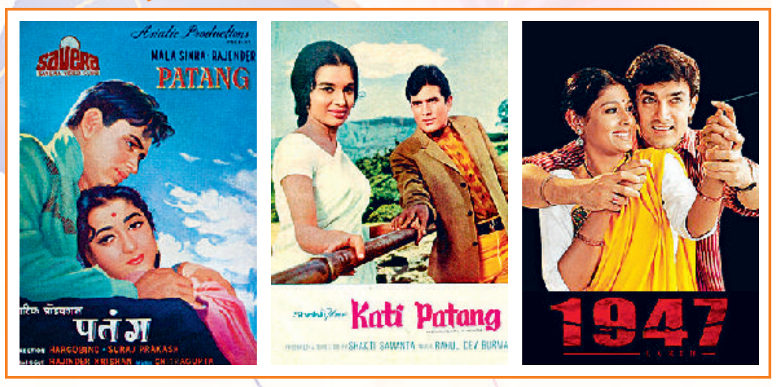

मकर संक्रांति का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत में बड़े ही धूमधाम से इसे लोग मनाते हैं। इस दिन दान-स्नान के साथ ही पतंग उड़ाने की परंपरा भी है। इसी वजह से मकर संक्रांति को पतंग पर्व के रूप में भी जाना जाता है। पतंगबाजी ने ना केवल समाज में लोकप्रियता बटोरी बल्कि सिनेमा के पर्दे पर भी पतंगें खूब उड़ी हैं। फिल्मों के पतंग के टाइटल से लेकर इस पर आधारित गाने लोगों के दिलों में बसे हैं। आज भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग से जुड़े गीतों को बजाया-गुनगुनाया जाता है।

पतंग टाइटल वाली फिल्में

1960 में 'पतंग' नाम से एक फिल्म आई थी। इस फिल्म में राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा, राज मेहरा, मनोरमा और अचला सचदेव ने काम किया था। फिल्म का नाम 'पतंग' क्यों रखा यह तो निर्माता ही जाने, लेकिन इस फिल्म में पतंग पर आधारित एक गीत 'यह दुनिया पतंग नित बदले हैं रंग' था। जिसे एक बार सुखद और दूसरी बार दुखद भाव में फिल्माया गया था। इसके बाद फिल्मों में पतंग पर आधारित गीत और प्रसंग तो आते रहे लेकिन शीर्षक से पतंग नदारद हो गई। 11 साल बाद फिल्म 'कटी पतंग' ने इस सूनेपन को समाप्त किया। फिल्म की नायिका की स्थिति को चित्रित करने वाले शीर्षक की यह फिल्म, राजेश खन्ना और आशा पारेख के अभिनय और आरडी बर्मन के मधुर संगीत की वजह से खूब चली। इस फिल्म में एक गीत 'ना कोई उमंग है...' के दौरान उड़ती पतंग इस फिल्म में पर्दे पर दिखाई भी दी।

रील-रियल लाइफ में पतंगबाज एक्टर

ऐसा कहा जाता है कि बॉलीवुड में दिलीप कुमार ऐसे अभिनेता थे, जिनको पतंग उड़ाने में महारत हासिल थी। जब वह अपने घर की छत पर पतंग उड़ाते थे तो बॉलीवुड के कई नामी निर्माता उनके पतंग के साथ डोर की चरखियां थामने को बेकरार रहते थे। इसी तरह सलमान खान ने भी ना केवल वास्तविक जीवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी(जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे) के साथ पतंग उड़ाई है, बल्कि फिल्म 'सुल्तान' में पतंग लूटने के दृश्य में भी वे नजर आए हैं। उन्होंने फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या राय के साथ प्यार की पतंग खूब उड़ाई थी।

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान खान

पतंग पर आधारित गीत

जहां तक गानों की बात है तो हिंदी फिल्मों में पतंगों पर भी कई गाने बने और हिट हुए हैं। पतंग पर आधारित गीतों का सिलसिला 1949 में प्रदर्शित फिल्म 'दिल्लगी' से शुरू हुआ। फिल्म का गीत 'मेरी प्यारी पतंग चली बादलों के संग' तब बहुत लोकप्रिय हुआ था। इसके बोल ऐसे दिल में उतरने वाले थे कि उस दौर में पतंग उड़ाते समय लगभग हर युवा यही गीत गुनगुनाते दिखाई पड़ता था। ऐसा ही एक गीत 'चली चली रे पतंग मेरी चली रे' सन् 1957 की फिल्म 'भाभी' में जगदीप और नंदा पर फिल्माया गया था। फिल्म में पतंग उत्सव को प्रदर्शित करता यह गीत आज भी मकर संक्रांति पर टीवी चैनल और रेडियो पर सुनाई दे जाता है।

नए दौर में फिल्म 'रईस' का सुखविंदर और भूमि त्रिवेदी का गाया गीत 'उड़ी-उड़ी जाए' पतंग महोत्सव का मजा देते हुए झूमने पर मजबूर कर देता है। फिल्म 'काई पो छे!' का 'मांझा' गीत में जिंदगी के एक नए नजरिए को दिखाने की कोशिश की गई। इसके जरिए जिंदगी, रिश्ते और जज्बे की दास्तां बयां की गई।

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढील दे दे रे भइया' गीत पतंग उड़ाने के दौरान अकसर लोगों के मुंह से निकल ही जाता है। यह गाना काफी लोकप्रिय भी हुआ था। फिल्म 'अर्थ' के गीत 'रुत आ गई रे' में आमिर खान फिल्म की नायिका को पतंग उड़ाना सिखाते दिखते हैं। यह एक रोमांटिक गीत है, जिसे एआर रहमान ने अपनी आवाज दी है। फिल्म 'फुकरे' के गीत

फिल्म 'फुकरे' के गीत 'अंबरसरिया..' का एक सीन

'अंबरसरिया' में भले ही पतंग शब्द का जिक्र ना हुआ हो लेकिन इसमें पतंगबाजी के दौरान होने वाली अठखेलियों को बड़े ही मजेदार ढंग से दर्शाया गया है। पतंग पर अपनी प्रेमिका को प्यार भरा मैसेज लिखकर भेजना दर्शकों को उस दौर में ले जाता है, जब छतों पर पतंगों के जरिए प्यार हुआ करता था।

जिन फिल्मों में पतंग शीर्षक या पतंग पर आधारित गीत नहीं होते हैं उन फिल्मों में पतंगबाजी के दृश्यों ने दर्शकों को लुभाया है। उनमें से एक फिल्म 'दिल्ली 6' है, जिसमें पतंग के जानदार दृश्य देखने को मिले।*